page 1 and 8 July 9_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/9/2026 2:02 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 जेएमसी ठेकेदारों का प्रदर्शन, नई नीतियों की समीक्षा की मांग

5 कोको गाफने शानदार वापसी कर जेसिका पेगुला को हराया

8 सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण कार्यों की प्रगति की डीसी ने की समीक्षा

न्यूनतम 22 मौसम जम्मू अधिकतम 30

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-170 जम्मू तवी, वीरवार 09 जुलाई, 2026 मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये पृष्ठ -8

देश के सभी हवाई अड्डों पर लगेगी एटीआरएस, 2027 तक सभी राज्यों में एफआरआरओ कार्यालय : अमित शाह

गृह मंत्री ने कहा कि हवाई अड्डों पर प्रवेश द्वार, चेक-इन काउंटर, सुरक्षा जांच लेन और आप्रवासन काउंटर जैसी सभी प्रक्रियाओं को एकीकृत करते हुए व्यापक ढांचा तैयार किया जाए, ताकि किसी भी स्तर पर यात्रियों की आवाजाही बाधित न हो।

नई दिल्ली, 08 जुलाई (। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु ने बुधवार को देश के प्रमुख हवाई अड्डों पर यात्री सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था और आव्रजन प्रणाली की समीक्षा की। बैठक में यात्रियों की आवाजाही को अधिक सुगम, सुरक्षित और आधुनिक बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में गृह सचिव, खुफिया ब्यूरो (आईबी) के निदेशक, नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के महानिदेशक, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के अध्यक्ष तथा गृह एवं नागरिक उड्डयन मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। अमित शाह ने निर्देश दिया कि देश के सभी हवाई अड्डों पर स्वचालित एक्स-रे ट्रे रिटर्न प्रणाली (एटीआरएस) को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाए, जिससे मानव संसाधन की आवश्यकता कम होगी और सुरक्षा जांच की प्रक्रिया अधिक तेज एवं प्रभावी बनेगी। उन्होंने यह भी कहा कि नए हवाई अड्डों में इस प्रणाली की स्थापना के लिए उपयुक्त मानक निर्धारित किए जाएं। गृह मंत्री ने कहा कि हवाई अड्डों पर प्रवेश द्वार, चेक-इन काउंटर, सुरक्षा जांच लेन और आप्रवासन काउंटर जैसी सभी प्रक्रियाओं को एकीकृत करते हुए व्यापक ढांचा तैयार किया जाए, ताकि किसी भी स्तर पर यात्रियों की आवाजाही बाधित न हो। उन्होंने बताया कि प्रत्येक टच-पॉइंट के लिए समन्वित योजना तैयार की गई है, जिससे यात्रियों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होगी। शाह ने निर्माणाधीन 21 हवाई अड्डों तथा विकास के लिए चिन्हित 41 अन्य हवाई अड्डों को यात्री यातायात के आधार पर प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी 62 हवाई अड्डों पर विकास कार्य अगले दो वर्षों में पूरा किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि सुरक्षा मानकों से कोई समझौता न हो तथा व्यावसायिक क्षेत्र निर्धारित मानकों के भीतर रहें। उन्होंने नागरिक उड्डयन मंत्रालय को यात्री और विमान यातायात के आधार पर सभी हवाई अड्डों पर एयरोब्रिज की संख्या तय करने के मानक तैयार करने के निर्देश भी दिए। साथ ही, वर्तमान में 16 प्रमुख हवाई अड्डों पर उपलब्ध बैगेज ड्रॉप सुविधा को अधिक यात्री संख्या वाले अन्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों तक विस्तारित करने को कहा। गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि एक्स-रे स्क्रीनिंग में तैनात सीआईएसएफ कर्मियों की शैक्षणिक योग्यता के निर्धारित मानकों में कोई ढील नहीं दी जानी चाहिए और आवश्यक योग्यता वाले अधिकारियों एवं कर्मियों को ही इस कार्य में लगाया जाए अमित शाह ने निर्देश दिया कि वर्ष 2027 तक सभी राज्यों की राजधानियों में विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) स्थापित कर दिए जाएं। उन्होंने अगरतला और जेवर हवाई अड्डों पर अधिकृत आप्रवासन चेक पोस्ट जल्द शुरू करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने फास्ट ट्रैक इमिग्रेशन-ट्रस्टेड ट्रैवलर्स प्रोग्राम (एफटीआई-टीटीपी) को लोकप्रिय बनाने के लिए एयरलाइंस के सहयोग से ऐसी व्यवस्था विकसित करने को कहा, जिसके तहत अंतरराष्ट्रीय टिकट बुक करते समय यात्रियों को व्हाट्सएप संदेश भेजकर इस पोर्टल पर पंजीकरण के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

भारी बारिश के बीच केंद्रीय गृह मंत्री ने हरसंभव सहायता का दिया आश्वासन : उमर अब्दुल्ला

"सोमवार को हुई मूसलाधार बारिश के कारण चिनाब घाटी में अचानक आई बाढ़ से व्यापक नुकसान हुआ। डोडा जिले में सड़क संपर्क प्रभावित हुआ, जबकि किश्तवाड़ जिले की 540 मेगावाट क्वार जलविद्युत परियोजना के बुनियादी ढांचे को भी क्षति पहुंची

श्रीनगर, 08 जुलाई। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारी बारिश से उत्पन्न स्थिति के मद्देनजर केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है।

श्रीनगर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मौजूदा मौसम की वजह से विशेष रूप से चिनाब घाटी और कठुआ के कुछ क्षेत्रों में कठिन परिस्थितियां पैदा हुई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, मौसम के कारण हमें कुछ इलाकों, विशेषकर चिनाब घाटी और कठुआ में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। गृह मंत्री ने फोन कर स्थिति की जानकारी ली और मैंने उन्हें पूरी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यदि भविष्य में केंद्र सरकार की किसी भी प्रकार की सहायता की आवश्यकता होगी तो केंद्र हरसंभव मदद के लिए तैयार है। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से फोन पर बातचीत कर भारी वर्षा से उत्पन्न स्थिति की जानकारी ली और प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों के लिए केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। सोमवार को हुई मूसलाधार बारिश के कारण चिनाब घाटी में अचानक आई बाढ़ से व्यापक नुकसान हुआ। डोडा जिले में सड़क संपर्क प्रभावित हुआ, जबकि किश्तवाड़ जिले की 540 मेगावाट क्वार जलविद्युत परियोजना के बुनियादी ढांचे को भी क्षति पहुंची। डोडा जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-244 पर प्रेमनगर के पास बाढ़ का पानी और मलबा आने से मार्ग बंद हो गया, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया। सड़क के दोनों ओर कई वाहन फंस गए। प्रशासन ने मार्ग बहाल करने के लिए तत्काल राहत एवं सफाई कार्य शुरू किया। राष्ट्रीय राजमार्ग अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) के हाईवे मैनेजर सनी पाधा ने बताया कि प्रेमनगर में स्थिति बेहद गंभीर थी और सड़क को खोलने के लिए तुरंत कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा, यह घटना प्रेमनगर में कालका माता मंदिर के पास हुई। सुबह मुझे सूचना मिली कि मेरा वाहन वहां खड़ा है। जब मैं मौके पर पहुंचा तो हालात बेहद भयावह थे। भारी बाढ़ आई हुई थी और उसका वीडियो भी मेरे पास है। चूंकि मैं इस क्षेत्र का हाईवे मैनेजर हूं, इसलिए मैंने तुरंत एक एक्सकेवेटर और जेसीबी मशीन मौके पर भेजी। इसके बाद यातायात बहाल किया गया, लेकिन सुबह की बाढ़ का दृश्य शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता।

लद्दाख में पर्यटन का लगातार बढ़ रहा आकर्षण, जून में विदेशी पर्यटकों की संख्या लगभग दोगुनी हुई

लेह, 08 जुलाई। लद्दाख में पर्यटन क्षेत्र लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। जून 2026 में विदेशी पर्यटकों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दोगुनी हो गई है, जो अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के बीच लद्दाख की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाती है। आंकड़ों के अनुसार, जून 2025 में जहां 3,349 विदेशी पर्यटक लद्दाख पहुंचे थे, वहीं जून 2026 में यह संख्या बढ़कर 6,680 हो गई। इस तरह विदेशी पर्यटकों की संख्या में 99.46 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। यह बढ़ोतरी उच्च हिमालयी रोमांच, संस्कृति, आध्यात्मिक पर्यटन और सतत पर्यटन अनुभवों के प्रति बढ़ती वैश्विक रुचि को दर्शाती है। विदेशी पर्यटकों में इजराइल लद्दाख आने वाले पर्यटकों का सबसे बड़ा स्रोत बना हुआ है। इसके बाद थाईलैंड, अमेरिका, वियतनाम, जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, जापान, मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया, ताइवान, रूस, इटली, दक्षिण कोरिया, स्पेन तथा यूरोप और दक्षिण-पूर्व एशिया के कई अन्य देशों के पर्यटक बड़ी संख्या में लद्दाख पहुंच रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि लद्दाख रोमांच, प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक पर्यटन के लिए विश्व स्तर पर पसंदीदा पर्यटन स्थलों में शामिल हो चुका है। जून 2026 में कुल पर्यटकों की संख्या 1,07,740 रही, जो जून 2025 में आए 75,089 पर्यटकों की तुलना में 43.48 प्रतिशत अधिक है। जनवरी से जून 2026 तक के पहले छह महीनों में कुल 2,25,286 पर्यटक लद्दाख पहुंचे। इनमें 2,11,645 घरेलू और 13,641 विदेशी पर्यटक शामिल हैं। ताजा आंकड़े दर्शाते हैं कि लद्दाख देश के सबसे पसंदीदा वर्षभर खुले रहने वाले पर्यटन स्थलों में तेजी से उभर रहा है। साथ ही यह भी साबित हुआ है कि केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन द्वारा पर्यटन अवसंरचना को मजबूत करने, नए पर्यटन उत्पाद विकसित करने तथा पर्यटक-अनुकूल वातावरण तैयार करने के प्रयास सफल रहे हैं। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि पर्यटकों की संख्या में हुई उत्साहजनक वृद्धि प्रशासन के निरंतर प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि पर्यटन लद्दाख की अर्थव्यवस्था का एक मजबूत आधार है और हजारों लोगों की आजीविका इससे जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा, इस वर्ष पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हमारे उन प्रयासों का परिणाम है, जिनके तहत लद्दाख को वर्षभर के प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। साथ ही यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि पर्यटन विकास पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ हो।

मुख्य सचिव ने 'टीबी मुक्त भारत अभियान' की प्रगति की समीक्षा की, उच्च जोखिम वाले सभी गांव अभियान के दायरे में आए

श्रीनगर, 08 जुलाई। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में बताया गया कि जम्मू-कश्मीर में टीबी की गहन जांच अभियान के तहत सभी चिन्हित उच्च जोखिम वाले गांवों (हाई रिस्क विलेज) को अभियान के दायरे में शामिल कर लिया गया है।

बैठक में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के आयुक्त सचिव, एसकेआईएमएस के निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक, जेकेएमएससीएल के प्रबंध निदेशक, सरकारी मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्य, जम्मू और कश्मीर के स्वास्थ्य सेवा निदेशक तथा विभिन्न चिकित्सा संस्थानों के वरिष्ठ विशेषज्ञ उपस्थित थे।

मुख्य सचिव ने स्वास्थ्य कर्मियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि क्षय रोग के खिलाफ लड़ाई में सतत सतर्कता, समय पर पहचान और बिना बाधा उपचार अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने सभी जिलों को प्रत्येक टीबी मरीज के संपर्क में आए लोगों की प्रभावी पहचान और जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि संक्रमित पाए जाने पर उन्हें तुरंत राष्ट्रीय टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत उपचार उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने कहा कि समय पर संपर्क जांच और उपचार शुरू करने से संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ने में मदद मिलेगी।

मुख्य सचिव ने %खुशी चैटबॉट% के प्रभावी उपयोग पर भी जोर दिया, जिसे टीबी मुक्त भारत ऐप से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि यह मंच टीबी मरीजों को प्रमाणिक जानकारी, उपचार संबंधी मार्गदर्शन और परामर्श उपलब्ध कराने वाला महत्वपूर्ण डिजिटल माध्यम है।

केंद्र ने लद्दाख में 990.51 करोड़ रुपये की लेह बाईपास परियोजना को मंजूरी दी

लेह, 08 जुलाई। केंद्र सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में 990.51 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली लेह बाईपास (दक्षिणी संरेखण) परियोजना को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को इसकी घोषणा की।

परियोजना के तहत फ्यांग गांव स्थित एचपीसीएल संयंत्र के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-01 से लेकर लेह-मनाली राजमार्ग (राष्ट्रीय राजमार्ग-03) पर उपशी तक पक्के कंधों (पेव्ड शोल्डर) सहित दो-लेन सड़क का निर्माण किया जाएगा।

इस बाईपास का उद्देश्य लेह शहर के भीतर यातायात का दबाव कम करना, बाहरी वाहनों को वैकल्पिक मार्ग से गुजारना तथा राष्ट्रीय राजमार्ग-01 और राष्ट्रीय राजमार्ग-03 के बीच बेहतर संपर्क स्थापित करना है।

परियोजना के पूरा होने से वाहनों की आवाजाही तेज, सुरक्षित और अधिक सुगम होगी। इसके साथ ही क्षेत्रीय संपर्क बेहतर होगा, सड़क सुरक्षा मजबूत होगी तथा केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में आर्थिक गतिविधियों और पर्यटन को दीर्घकालिक बढ़ावा मिलेगा। अधिकारियों के अनुसार प्रस्तावित बाईपास रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क अवसंरचना और संपर्क सुविधा को मजबूत करने के केंद्र सरकार के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है।

जम्मू रेलवे स्टेशन पर श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा, सुविधा और सेवा के विशेष प्रबंध जारी

जम्मू, 08 जुलाई। श्री अमरनाथ जी यात्रा 2026 में देशभर से पहुंच रहे श्रद्धालुओं को सुगम, सुरक्षित और सम्मानजनक यात्रा अनुभव देने के लिए उत्तर रेलवे, जम्मू मंडल द्वारा जम्मू रेलवे स्टेशन पर युद्धस्तर पर विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए मंडल ने सभी जरूरी प्रबंध पहले से ही सुनिश्चित कर दिए हैं।

जम्मू रेलवे स्टेशन पर रेलवे अधिकारी एवं पर्यवेक्षक लगातार मौजूद रहकर सभी व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं। यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिसके चलते आरपीएफ और जीआरपी के जवान स्टेशन परिसर में 24×7 तैनात हैं। टिकट जांच स्टाफ, जीआरपी और आरपीएफ के साथ मिलकर नियमित गश्त कर रहे हैं। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए वार रूम में लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से स्टेशन के हर कोने पर चौबीस घंटे नजर रखी जा रही है। ट्रेनों की समयबद्धता पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यदि कोई ट्रेन विलंब से है तो इसकी जानकारी यात्रियों को तुरंत पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम और एसएमएस के माध्यम से दी जा रही है।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए स्टेशन पर हेल्प डेस्क और सूचना केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां यात्रा संबंधी हर जानकारी और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। प्लेटफार्मों पर पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था की गई है और स्वच्छता बनाए रखने के लिए अतिरिक्त सफाईकर्मियों को तैनात किया गया है। आपात स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार केंद्र दिन-रात कार्यरत है। इसके साथ ही ट्रेनों और यात्रा से जुड़ी महत्वपूर्ण घोषणाएं नियमित अंतराल पर की जा रही हैं ताकि यात्रियों को सही समय पर सही जानकारी मिल सके। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, जम्मू श्री उचित सिंघल स्वयं स्टेशन पर पहुंचकर सभी व्यवस्थाओं की लगातार समीक्षा कर रहे हैं। साथ ही यात्रियों को और बेहतर सुविधाएं देने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे हैं। इस अवसर पर श्री उचित सिंघल ने कहा, द्ब卐श्री अमरनाथ जी यात्रा आस्था का प्रतीक है। जम्मू मंडल का यह संकल्प है कि यहां आने वाला हर श्रद्धालु सुरक्षित और सम्मान के साथ अपनी यात्रा पूरी करे।

श्री अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू के आधार शिविर से 9,837 तीर्थयात्री रवाना

जम्मू, 08 जुलाई । श्री अमरनाथ जी यात्रा के दौरान बुधवार को एक ही दिन में सबसे ज़्यादा तीर्थयात्री रवाना हुए। रिकॉर्ड 9,837 तीर्थयात्री जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से पहलगाम और बालटाल के दो बेस कैंपों के लिए निकले।

अधिकारियों ने बताया कि सातवां जत्था 361 गाड़ियों के काफिले में रवाना हुआ। 188 गाड़ियों में 5,337 तीर्थयात्री पारंपरिक पहलगाम रूट के लिए निकले जबकि 173 गाड़ियों में 4,500 श्रद्धालु छोटे बालटाल रूट के लिए रवाना हुए।

इस जत्थे में 6,684 पुरुष, 2,730 महिलाएं, 21 बच्चे, 320 साधु, 80 साध्वियां और दो ट्रांसजेंडर श्रद्धालु शामिल थे। दिन की शुरुआत से ही भगवती नगर यात्री निवास पर तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ देखी गई क्योंकि देश के अलग-अलग हिस्सों से श्रद्धालु पवित्र गुफा मंदिर की सालाना यात्रा के लिए इकट्ठा हुए हैं। यह यात्रा कई स्तरों वाली सुरक्षा व्यवस्था के तहत की जा रही है जिसमें प्रशासन, पुलिस, सीएपीएफ,

स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य विभागों से बड़े पैमाने पर लॉजिस्टिकल सहायता मिल रही है। 57 दिनों की यह सालाना यात्रा 3 जुलाई को शुरू हुई और 28 अगस्त को रक्षाबंधन के त्योहार के साथ सम्पन्न होगी।

बिलावर में संदिग्ध ओजीडब्लू के घर से 2 ग्रेनेड बरामद, आतंकी साजिश की आशंका

कठुआ, 08 जुलाई । जम्मू-कश्मीर में जारी श्री अमरनाथ यात्रा के बीच सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क करने वाली एक बड़ी कार्रवाई सामने आई है। कठुआ जिले के बिलावर क्षेत्र में पुलिस ने एक संदिग्ध ओवर ग्राउंड वर्कर के घर पर छापेमारी के दौरान दो ग्रेनेड बरामद किए हैं।

इस कार्रवाई को सुरक्षा के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है खासकर ऐसे समय में जब श्री अमरनाथ यात्रा सुचारू रूप से जारी है और लाखों श्रद्धालु प्रदेश में आ-जा रहे हैं।

प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि इन विस्फोटकों का इस्तेमाल किसी बड़ी साजिश के तहत किया जा सकता था। एसएसपी कठुआ मोहित शर्मा (आईपीएस) ने इस बरामदगी की पुष्टि करते हुए कहा कि मामले की जांच जारी है और विस्तृत जानकारी जल्द साझा की जाएगी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि जांच के दौरान इस नेटवर्क से जुड़े अन्य संदिग्धों के नाम भी सामने आ सकते हैं।

सूत्रों के अनुसार सुरक्षा एजेंसियां इस मामले को आतंकी मॉड्यूल से जोड़कर भी जांच कर रही हैं और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि बरामद ग्रेनेड कहां से लाए गए और उनका संभावित टारगेट क्या था। अमरनाथ यात्रा के मद्देनजर इस बरामदगी ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है जिसके चलते पूरे क्षेत्र में सतर्कता और निगरानी को और सख्त कर दिया गया है। फिलहाल पुलिस और अन्य एजेंसियां संयुक्त रूप से पूरे मामले की गहन जांच में जुटी हैं और आने वाले समय में और बड़े खुलासे होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

सेना प्रमुख जनरल सेठ ने कश्मीर में सुरक्षा स्थिति का लिया जायजा

श्रीनगर, 08 जुलाई । सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने बुधवार को कश्मीर घाटी में मौजूदा सुरक्षा हालात, ऑपरेशनल तैयारी और लड़ाई के लिए तैयारी का जायज़ा लिया।

जनरल सेठ ने श्रीनगर में सेना के 15 कोर चिनार कॉर्प्स के हेडक्वार्टर का दौरा किया और हालात का जायज़ा लिया। जनरल सेठ ने लाइन ऑफ़ कंट्रोल और अंदरूनी इलाकों में मौजूदा सुरक्षा हालात, ऑपरेशनल तैयारी और लड़ाई के लिए तैयारी का जायज़ा लेने के लिए चिनार कॉर्प्स हेडक्वार्टर और उसकी यूनिट्स का दौरा किया। सेना प्रमुख को ऑपरेशनल तैनाती, आतंकवाद-विरोधी अभियानों, अलग-अलग एजेंसियों के बीच तालमेल, बदलते ऑपरेशनल हालात और चल रही सालाना अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा इंतज़ामों के बारे में जानकारी दी गई।

उन्होंने टेक्नोलॉजी को अपनाने क्षमता बढ़ाने और सभी तरह के ऑपरेशन्स में इंटीग्रेटेड कॉम्बैट रेडीनेस (लड़ाई के लिए मिली-जुली तैयारी) की दिशा में की गई पहलों का भी जायज़ा लिया। इस दौरान सेना प्रमुख ने मुश्किल हालात में भी बेहतरीन प्रोफेशनलिज़्म और पक्के कमिटमेंट के लिए सभी रैंक के जवानों की तारीफ़ की और शांति और स्थिरता बनाए रखने में उनकी लगातार कोशिशों की सराहना की।

सीआईके ने यूएपीए मामले में पाकिस्तान में रहने वाले आरोपियों से जुड़े श्रीनगर के दो घरों पर छापेमारी की

श्रीनगर, 08 जुलाई । काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने बुधवार को आईपीसी और गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधानों के तहत दर्ज एक मामले के सिलसिले में श्रीनगर में दो घरों पर एक साथ छापेमारी की।अधिकारियों ने बताया कि एक छापेमारी बाग-ए-मेहताब में अल्ताफ अहमद भट पिता अब्दुल जब्बार भट के घर पर की गई जो 1990 से पाकिस्तान में रह रहे हैं। इसी समय, सीआईके की एक और टीम ने नौगाम की शेख-उल-आलम कॉलोनी में मुख्तार अहमद बाबा पिता मोहम्मद यासीन बाबा के घर पर छापेमारी की जो 2022 से पाकिस्तान में रह रहे हैं। ये छापेमारी सीआईके श्रीनगर पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 505 और 153, और गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की धारा 13 और 18 के तहत दर्ज एफआईआर नंबर 04/2026 के सिलसिले में की गई।

शोपियां मुठभेड़ में लश्कर कमांडर जाकिर गनी मारा गया

शोपियां, 08 जुलाई । जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बुधवार को बताया कि दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के चनापोरा इलाके में चल रहे आतंकवाद-विरोधी ऑपरेशन में लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर जाकिर गनी मारा गया है जबकि एक और आतंकवादी के छुपे होने की आशंका है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जाकिर पिछले पांच दिनों से अपने साथी के साथ मुठभेड़ में फंसा हुआ था। उन्होंने कहा, 卐उसे मार गिराया गया है और आज हथियारों और गोला-बारूद के साथ एक गौशाला से उसका शव बरामद किया गया।

उन्होंने इस घटना को सुरक्षाबलों के लिए एक बड़ी कामयाबी बताया। उन्होंने कहा कि मुठभेड़ स्थल के पास फिर से गोलीबारी की आवाज सुनी गई, जिससे एक और आतंकवादी की मौजूदगी का संकेत मिलता है।

एक्स पर पोस्ट में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कहा, 卐आप भाग तो सकते हैं, लेकिन छुप नहीं सकते। एसओजी शोपियां ने सेना की आरआर और सीआरपीएफ के साथ मिलकर एक जॉइंट ऑपरेशन में लश्कर के एक आतंकवादी को मार गिराया।

बेस्ट है बैंगनी

रंगों से हमारी दुनिया में जुड़ता है सौंदर्य। बात चाहे फैशन की हो या घर के साज-सज्जा की, रंगों का चयन है बेहद महत्वपूर्ण। फैशन विशेषज्ञों की मानें तो इन दिनों हर ओर बिखरा है बैंगनी रंग का जादू। यह रंग लाल और नीले, दो रंगों से मिलकर बना है। जहां लाल रंग से जुड़ी हैं प्यार और गर्मजोशी की भावनाएं, वहीं नीला रंग माना जाता है शीतलता का अहसास देने वाला कूल कलर। इस तरह दोनों के संयोग से बना बैंगनी माना जाता है आदर्श रंग।

मन की शांति और निराशा से मुक्ति चाहिए तो बिखेरें अपने आसपास बैंगनी रंग की छटा। यह रंग राजसी वैभव का प्रतीक है, इसके साथ ही यह प्रतिबिंबित करता है जादू और रहस्य के मिश्रित भावों को। इन दिनों बैंगनी रंग का पहनावा है हॉट फेवरेट। वेस्टर्न हो या पारंपरिक भारतीय परिधान, दोनों में जंचता है बैंगनी रंग। इतना ही नहीं एक्ससरीज के मामले में भी हिट है यह रंग। आजकल बाजार में बैंगनी शेड्स में बैग, फुटवेयर, घड़ी, बेल्ट, चश्मा, हेयर क्लिप इत्यादि की विभिन्न डिजाइन्स मिल जाएंगी। आप चाहें तो बैंगनी रंग के मोबाइल और लैपटॉप कवर भी खरीद सकती हैं। यह रंग देता है हमारी कल्पनाओं को विस्तार और प्रेरणा। यह इसकी डिमांड का ही असर है कि बाजार में बैंगनी रंग में किचेन के सामान, जैसे टीकोस्टर, स्टोरेज कंटेनर्स टी-सेट इत्यादि से लेकर घरेलू उपयोग एवं अन्य साज-सज्जा की वस्तुओं की व्यापक रेंज उपलब्ध है।

यहां बात सिर्फ फैशन की नहीं, बल्कि इसके मायने कहीं ज्यादा हैं। जीवन में संतुलन को आमंत्रण देता है बैंगनी रंग। अब आप ही तय करें कि किस तरह सजाना चाहती हैं इससे अपनी जिंदगी को।

सुंदर नाखून स्वस्थ दांत

1. चमकदार सफेद दांतों के लिए हफ्ते में एक बार एक चुटकी बेकिंग सोडा या नमक से दांतों को साफ करें।
2. दांतों का पीलापन दूर करने के लिए कॉटनबूल को हाइड्रोजन पैराऑक्साइड में भिगोकर दांतों पर मलें।
3. चमकदार दांत पाने के लिए हफ्ते में दो बार अपने दांतों को सूखे तेजपत्ते से हलके हाथों से रगड़े।

4. नाखूनों को मजबूत और चमकदार बनाने के लिए ज्यादा से ज्यादा कैल्शियम और जेलेटिन लें। एक टेबल स्पून जेलेटिन प्रतिदिन एक कप ठंडे दूध में मिलाकर लें। अगर आपको कैलरीज की चिंता हो तो फुल क्रीम मिल्क की जगह स्किम्ड मिल्क लें। यह उपचार लगातार एक महीने तक करें।
5. लंबे और मजबूत नाखून पाने के लिए उनको रोज रात में हलके गर्म बादाम के तेल और नींबू के रस के मिश्रण में भिगोएं। अधिकतम लाभ पाने के लिए उसमें दस से पंद्रह मिनट तक भिगोए रखें। फिर हलका मसाज करके उन्हे टिश्यू पेपर से पोंछ लें और दूसरे दिन सुबह पानी से उनको साफ करें। वही तेल आप हर रोज गर्म करके इस्तेमाल कर सकती है।

बाल है कमाल

बेकनगंज निवासी शहरोज अनवर के बालों की लंबाई उनके शरीर से भी अधिक है। खास बात यह है कि यह किसी कॉस्मेटिक प्रॉडक्ट का नहीं, नैचुरल कंडीशनर का है कमाल

हेयर केयर प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों के लिए वह परफेक्ट मॉडल तो हैं, लेकिन इन कंपनियों के लिए वह बड़ी चुनौती भी पेश करती है। आखिर उनके मुताबिक बालों की यह लंबाई किसी खास तेल से नहीं, बल्कि बचपन से संतुलित आहार और घर पर बने कंडीशनर के कारण मिली है। हम बात कर रहे है बेकनगंज निवासी शहरोज अनवर की, जिनके बाल उनके शरीर से भी लंबे हैं!

कद से लंबे बाल

शहरोज का कद 5 फुट 2 इंच है और उनके बालों की लंबाई है 5 फुट 4 इंच। वह बताती हैं, कद से लंबे बाल होने के कारण इन्हें खुला रखकर सड़क पर नहीं चल सकती। मम्मी इनको खोल कर पार्टी में जाने की परमीशन नहीं देती है। यदि किसी तरह मना भी लूं तो वहां लोग घेरकर इनको छूना शुरू कर देते हैं।

करनी पड़ती है खास केयर

शहरोज अपने बालों की खास देखभाल करती हैं। इसके लिए वह सप्ताह में दो बार नारियल तेल से मालिश करती हैं, प्राकृतिक तरीके से बनाए हुए कंडीशनर से बालों को धोती हैं। वह बताती है, बचपन से मम्मी इनकी देखभाल करती थी। इनको साफ रखना, बांधकर रखना, घर पर चायपत्ती, दही, नींबू आदि से कंडीशनर बनाना, नॉनवेज, ऑयली और जंकफूड से परहेज करना, हालांकि पहले यह सब बुरा लगता था, लेकिन तब मुझे नहीं मालूम था कि इसी कारण में लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रहूंगी। मम्मी के उस रूटीन को मैं अब भी नियमित रूप से फॉलो करती हू।

चलती फिरती हेयर एक्सपर्ट

एक इंस्टीट्यूट में इंग्लिश की शिक्षिका शहरोज अपने बालों के कारण लोगों के बीच कौतूहल का विषय बनी रहती है। हर कोई उनसे मिलते ही सबसे पहले उनके बाल देखने की ही इच्छा प्रकट करता है। हर कोई लंबे और हेल्दी बालों के टिप्स पूछने लगता है। वह बताती हैं, कहीं घूमने जाओं या फिर पार्टी में लोग पीछे ही पड़ जाते हैं। हर कोई अपने बालों के लिए मुझसे टिप्स मांगने लगता है। कई बार तो क्लास में स्टूडेंट भी पढ़ाई के बीच में बालों पर ही डिस्कस करने लगते हैं।

पापा की अमानत

लंबे बाल रखने का कोई खास कारण? के जवाब में शहरोज बताती है, बचपन में मम्मी बाल काट देती थीं, लेकिन पापा को बड़े बाल पसंद थे। वह मम्मी से तो इनकी केयर करने के लिए कहते ही थे, साथ ही खुद भी इनका बहुत खयाल करते थे। अब वह दुनिया में नहीं हैं, इसलिए मैंने उनकी अमानत के रूप में इन्हें संभाल कर रखा है।

बन जाए रिकॉर्ड

लंबे बालों के लिए किसी रिकार्ड्स बुक में दर्ज होने का इरादा है? पर शहरोज कहती हैं, मुझे इस रिकार्ड के लिए जरूरी लंबाई की जानकारी नहीं है। फिर भी ऐसा कुछ होता है तो मुझे खुशी ही होगी। हाँ, मुझे मॉडलिंग करने का बहुत शौक है। यदि किसी हेयर केयर प्रोडक्ट के लिए विज्ञापन करने का मौका मिले तो मैं जरूर करूंगी!

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबर:- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

जेएमसी ठेकेदारों का प्रदर्शन, नई नीतियों की समीक्षा की मांग

जम्मू, 08 जुलाई (हि.स.)। जम्मू नगर निगम ठेकेदार एसोसिएशन ने जम्मू में प्रदर्शन कर हाल ही में लागू की गई विभिन्न नीतियों की समीक्षा की मांग की। एसोसिएशन का आरोप है कि नई व्यवस्थाओं के कारण ठेकेदारों को आर्थिक और प्रशासनिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है जिससे शहर में विकास कार्यों का समय पर निष्पादन भी प्रभावित हो रहा है। प्रदर्शन का नेतृत्व एसोसिएशन के अध्यक्ष विक्रांत सिंह ने किया। उनके साथ उपाध्यक्ष इरफान अहमद और वरिंदर सिंह, महासचिव रमन शर्मा, प्रवक्ता संजीव शर्मा तथा सचिव बिंदर पाल सिंह सहित बड़ी संख्या में ठेकेदार मौजूद रहे। प्रदर्शन में कई अन्य ठेकेदारों ने भी भाग लेकर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज उठाई।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए विक्रांत सिंह ने कहा कि जम्मू नगर निगम द्वारा हाल में लागू की गई कुछ नीतियां ठेकेदारों के हितों के प्रतिकूल हैं और इनके कारण विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन में अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं। उन्होंने विशेष रूप से तीन वर्ष की डिफेक्ट लाइबिलिटी पीरियड व्यवस्था का विरोध करते हुए कहा कि पहले से लागू प्रणाली प्रभावी थी और इसे बढ़ाने का कोई औचित्य नहीं है। उनका कहना था कि इससे ठेकेदारों पर अतिरिक्त वित्तीय और कानूनी बोझ पड़ेगा तथा विकास कार्यों में भागीदारी कम हो सकती है। एसोसिएशन ने संशोधित अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट नियमों पर भी आपत्ति जताते हुए कहा कि नई शर्तें विशेष रूप से छोटे और मध्यम स्तर के ठेकेदारों के लिए आर्थिक रूप से बोझिल हैं। उनका आरोप है कि इन नियमों से प्रतिस्पर्धा प्रभावित हो रही है और वास्तविक ठेकेदारों के लिए निविदा प्रक्रिया में भाग लेना कठिन होता जा रहा है।

ठेकेदारों ने यह भी आरोप लगाया कि कई बार पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराए बिना ही टेंडर जारी कर कार्य आवंटित कर दिए जाते हैं जिससे भुगतान को लेकर अनिश्चितता बनी रहती है और ठेकेदारों को संसाधन जुटाने के बावजूद आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इसके अलावा उन्होंने परियोजनाओं के लिए तय समय-सीमा को अव्यावहारिक बताते हुए कहा कि मौसम, स्थल की परिस्थितियां, सार्वजनिक सुविधाओं के स्थानांतरण और अन्य व्यावहारिक चुनौतियों को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जाता।

एसोसिएशन ने लंबित भुगतानों का मुद्दा भी उठाते हुए आरोप लगाया कि बिलों के निस्तारण और भुगतान में अत्यधिक देरी से ठेकेदारों पर वित्तीय दबाव बढ़ रहा है और विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान एसोसिएशन ने जम्मू नगर निगम के आयुक्त से मांग की कि नई नीतियों की ठेकेदार प्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श कर समीक्षा की जाए और ऐसी पारदर्शी एवं व्यावहारिक व्यवस्था लागू की जाए जिससे विकास कार्य सुचारु रूप से चल सकें। एसोसिएशन ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया गया तो वह शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से अपना आंदोलन और तेज करेगी।

एसएमवीडीयू में पर्यावरण और जल संरक्षण पर छह दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू, देशभर के 204 प्रतिभागी जुड़े

जम्मू, 08 जुलाई (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) के यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र के तहत छह दिवसीय ऑनलाइन अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम एनवायरोवाटरमेट2026 इनोवेशन फॉर सस्टेनेबिलिटी का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण, जल संरक्षण और सतत विकास के क्षेत्र में कार्यरत उच्च शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की शैक्षणिक, व्यावसायिक और अनुसंधान संबंधी क्षमताओं को सुदृढ़ करना है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से 204 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है।

कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रगति कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। यूजीसी-एमएमटीटीसी के निदेशक प्रो. अंकुश आनंद ने सभी अतिथियों, विशेषज्ञों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि केंद्र उभरते और बहु-विषयक क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षकों की दक्षता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उद्घाटन समारोह में उपनिदेशक प्रो. शारदा, स्कूल ऑफ सिविल इंजीनियरिंग के प्रमुख डॉ. वी.के. डोगरा, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. भारत भूषण जिंदल तथा एमएमटीटीसी और विश्वविद्यालय के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन समन्वयक डॉ. वैभव सपकाल ने किया।

अपने संबोधन में कुलपति प्रो. प्रगति कुमार ने उच्च शिक्षा में सतत सीखने, शैक्षणिक ईमानदारी और संकाय विकास के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण, सतत विकास, नवाचार आधारित अनुसंधान और विभिन्न विषयों के बीच सहयोग वर्तमान पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने उच्च शिक्षण संस्थानों की भूमिका को पर्यावरण अनुकूल तकनीकों के विकास और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की प्राप्ति में महत्वपूर्ण बताया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 11 जुलाई तक ऑनलाइन आयोजित किया जाएगा। इसमें सतत जल प्रबंधन एवं संरक्षण, जल एवं अपशिष्ट जल उपचार में नवाचार, सर्कुलर इकोनॉमी, अपशिष्ट प्रबंधन एवं संसाधन पुनर्प्राप्ति, पर्यावरण अनुकूल निर्माण सामग्री, पर्यावरण संरक्षण तथा स्मार्ट मॉनिटरिंग और सतत शहरी विकास जैसे विषयों पर विशेषज्ञ व्याख्यान होंगे। देश के आईआईटी, एनआईटी, प्रमुख अनुसंधान संस्थानों और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञ प्रतिभागियों को नवीनतम शोध और तकनीकी विकास से अवगत कराएंगे। कार्यक्रम के अंत में सह-समन्वयक डॉ. राहुल शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

नशा मुक्ति के संदेश के साथ मैराथन, 125 युवाओं व स्थानीय लोगों ने लिया भाग

राजौरी, 08 जुलाई (हि.स.)। राजौरी जिले के पीरी क्षेत्र में सद्भावना आउटरीच कार्यक्रम के तहत भारतीय सेना द्वारा नशा मुक्ति जागरूकता मैराथन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं और आम लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ, अनुशासित और नशामुक्त समाज का संदेश देना था। मैराथन में 125 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया जिनमें युवा, छात्र और स्थानीय निवासी शामिल थे। प्रतिभागियों ने फिटनेस, अनुशासन और सकारात्मक जीवनशैली को अपनाने तथा नशीले पदार्थों, धूम्रपान और अन्य हानिकारक आदतों से दूर रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान समुदाय की भागीदारी, परिवार के सहयोग और जिम्मेदार जीवनशैली की भूमिका पर भी जोर दिया गया, ताकि युवा पीढ़ी को नशे

की समस्या से बचाया जा सके।

इस अवसर पर प्रशासन और पुलिस विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे जिन्होंने युवाओं के कल्याण और सामाजिक जागरूकता के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता व्यक्त की। मैराथन के समापन पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पदक, प्रमाणपत्र और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को स्थानीय लोगों का उत्साहजनक समर्थन मिला। इस अवसर पर नशा मुक्ति के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने पर बल दिया गया।

छत्र अरोड़ियां में वृक्षारोपण अभियान आयोजित

कठुआ, 8 जुलाई। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पूर्व एमएलसी सुभाष गुप्ता के नेतृत्व में बाबा बर्फानी सेवा मंडल मोगा द्वारा शिव धाम छत्र अरोडियां में वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया।

इस दौरान लंगर स्थल परिसर में नीम, आंवला, बेल, अर्जुन व चिनार सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में मंडल के कई सदस्यों ने भाग लेते हुए पौधों की देखभाल का संकल्प लिया। इस अवसर पर सुभाष गुप्ता ने कहा कि वृक्षारोपण पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने की अपील की।

मंडल के सदस्यों ने बताया कि शिव धाम पिछले 24 वर्षों से श्री अमरनाथ यात्रा के श्रद्धालुओं को निरूशुल्क सेवाएं प्रदान कर रहा है और पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

कठुआ के विकास को रफ्तार-विधायक डॉ. भारत भूषण ने 1.57 करोड़ जारी किए

कठुआ, 08 जुलाई (हि.स.)। विधायक कठुआ डॉ. भारत भूषण ने क्षेत्र के विकास कार्यों को गति देते हुए एक करोड़ 57 लाख रुपये की राशि जारी की है। यह राशि विधायक निधि से विभिन्न विकास कार्यों के लिए स्वीकृत की गई है। जारी किए गए फंड के तहत बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए 9 आवास इकाइयों का निर्माण, 12 डीप बोरवेल, 8 सुरक्षा (प्रोटेक्शन) कार्य, 13 गलियों, नालों और सड़कों के निर्माण कार्य, एक सिंचाई कार्य तथा लखनपुर स्थित ध्यान चंद मेमोरियल स्टेडियम के प्रवेश द्वार का निर्माण शामिल है। सभी कार्यों की पूर्व जांच और संबंधित विभागों द्वारा अनुमान तैयार करने के बाद ही फंड जारी किया गया है ताकि राशि का सही उपयोग सुनिश्चित हो सके। इस नई स्वीकृति के साथ चालू वित्त वर्ष में विधायक निधि से कुल 2 करोड़ 57 लाख रुपये जारी किए जा चुके हैं। इससे पहले एक करोड़ रुपये से 15 विभिन्न विकास कार्यों को मंजूरी दी गई थी। अब तक कुल 58 कार्यों को स्वीकृति मिल चुकी है। विधायक डॉ. भारत भूषण ने कहा कि इन विकास कार्यों के पूरा होने से क्षेत्र की जनता को बड़ी राहत मिलेगी खासकर अगस्त 2025 की बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों को इसका सीधा लाभ पहुंचेगा।

लाइनमैन की मरम्मत कार्य के दौरान बिजली के झटके से मौत

बांदीपोरा, 8 जुलाई (हि.स.)। उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा जिले में बुधवार को बिजली विकास विभाग (पीडीडी) के एक लाइनमैन की मरम्मत कार्य के दौरान बिजली के झटके से मौत हो गई। लाइनमैन की पहचान मोहम्मद इस्माइल पुत्र अब्दुल अजीज निवासी बांदीपोरा जिले के गरूरा गांव के गल्कलू के रूप में हुई है। इस्माइल गल्कलू क्रॉसिंग के पास ट्रांसमिशन लाइन की मरम्मत कर रहे था कि तभी अचानक उसे बिजली का झटका लगा और वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

दूरदराज गांव में लगाए मेडिकल शिविर

जम्मू, 08 जुलाई (हि.स.)। राजौरी जिले के परात क्षेत्र के कर्मा गांव में भारतीय सेना ने मोबाइल मेडिकल पेट्रोल के माध्यम से दूरदराज के ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराईं। इस पहल का उद्देश्य ऐसे क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाना था जहां दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण नियमित स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचना कठिन होता है। इस दौरान गुज्जर-बकरवाल समुदाय के लोगों सहित स्थानीय ग्रामीणों को चिकित्सा सहायता प्रदान की गई।

मेडिकल टीम ने मौके पर स्वास्थ्य जांच कर सामान्य बीमारियों का उपचार किया तथा आवश्यक दवाइयों का नि:शुल्क वितरण किया। इसके साथ ही ग्रामीणों को स्वच्छता, संतुलित पोषण, रोगों की रोकथाम और निवारक स्वास्थ्य उपायों के बारे में जागरूक किया गया। शिविर में महिलाओं के स्वास्थ्य और बच्चों की चिकित्सकीय आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान दिया गया। इस पहल से कुल 24 लोगों को लाभ मिला जिनमें सात पुरुष, 11 महिलाएं और छह बच्चे शामिल थे। स्थानीय लोगों ने उनके गांव तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए भारतीय सेना के प्रति आभार व्यक्त किया। यह पहल दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाने और स्थानीय समुदाय के साथ समन्वय को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास रही।

UNION TERRITORY OF JAMMU AND KASHMIR
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER JAL SHAKTI (M)
GROUND WATER DRILLING DIVISION JAMMU
NOTICE INVITING TENDER
e-NIT No. GWD/72 of 2026-27 DATED:- 07.07.2026

On behalf of the Lt. Governor, UT of J&K, The Executive Engineer Jal Shakti (M) Ground Water Drilling Division Jammu, invites tenders by e-tendering mode from reputed and registered firms/contractors with Chief Engineer Jal Shakti (PHE) Department Jammu as a Water Well Drillers who have sufficient experience in the field of drilling and are well equipped with drilling equipments.

Name of the Work	Name of the Division	Cost of Tender Document/TenderFee(In Rs)	Qty.	Estimated cost (value of work) (in Rs.)	Earnest Money (In Rs)	Validity of Rates
Deep Drilling, Development & Stabilization of 200 mm dia Mini Tube well (on EPC Mode) By ODEX Method at Near Sudu Nalla Pyt. Plassi, Block Basohli in District Kathua under District Capex Budget 2026-27 (BDC)	Jal Shakti Mech. Ground Water Drilling Division Jammu	1000/- Non Refundable) Deposited in Govt. treasury through e-challan under the receipt head 0215 in favour of the Executive Engineer, Jal Shakti Mech. GWD Div. Jammu payable at Jammu mentioning name of work	01No.	Rs. 16.00 lacs	@ 2% of the amount of estimated cost of Tender in shape of Fresh CDR/FDR pledged to Executive Engineer PHE (M) GWD Division. No exemption or relaxation whatsoever shall be admissible to MSME units or to any bidder on any other grounds. .	31st March 2027

1. The complete bidding process shall be online.
2. Bid documents can be seen and downloaded from the website http://jktenders.gov.in from 07.07.2026 to 18.07.2026.
3. The pre bid meeting if desired by the participating firms shall be held in the office of the Executive Engineer Jal Shakti (M) GWD Division Jammu on 08.07.2026 (1300 hrs).
4. The bids shall be submitted/uploaded from the website http://jktenders.gov.in from 09.07.2026 (1700 hrs) to 18.07.2026 (1800 hrs).
5. The complete bidding process shall be online and scanned copies of the following documents will have to be uploaded before due date:-

i) Copy of treasury e-Challan/receipt for Rs. 1000.00 against the cost of tender document under the receipt Head 0215 in favour of Executive Engineer, Jal Shakti (M) Ground Water Drilling Division Jammu indicating name of work to be executed. It may be noted that the receipt of the e-challan should be of the date after the issuance of publication of the e-tender.

ii) The tenders shall be accompanied with an earnest money of 2 % of estimated value in the shape of CDR/FDR, from a scheduled Bank payable in JAMMU. The CDR/FDR shall be pledged to Executive Engineer Jal Shakti (M) GWD Division Jammu, valid for a period of 12 months from the last date of submission of bids. It may be noted that the EMD should be of the date after the issuance of publication of the e-tender. No exemption or relaxation whatsoever shall be admissible to MSME units or to any bidder on any other grounds. The earnest money deposit shall be refunded in favour of unsuccessful tenderer immediately after finalization of the tender, whereas it shall be retained in case of successful tenderer till signing of agreement and furnishing of performance security.

iii) Copies of tender documents, terms and conditions duly signed and stamped (each page) by bidder. During the technical evaluation, if any firm has not uploaded all the required documents i.e ITR/GST/documentary proof of ownership or on hire basis of requisite machinery/ Annual financial turnover, Registration Certificate 2026-27 etc. as mentioned in e-NIT, the bid shall be rejected without any intimation.

iv) Scanned copy of Experience certificate of having completed one similar work during last five financial years. The experience certificate shall have been issued by an officer of the rank not below an Executive Engineer of any Government Department/Semi Government/PSUs.

v) Scanned copy of Valid Registration of Water Well Drillers issued by Chief Engineer Jal Shakti (PHE) Department Jammu for the year 2026-27 shall be submitted by the firm.

vi) Scanned copy of the latest Income tax return certificate.

vii) Scanned copy GST return in FORMGST-3B of the latest quarter.

viii) Scanned copy of documentary proof of ownership or on hire basis of requisite machinery like Air compressor, ODEX Drilling Rig. In case of a firm having these machine/s arranged on hire basis the firm shall produce a copy of an agreement with the actual owner (Registered Drilling Firm) of the machine for lease of the machinery and expertise, duly attested by a Magistrate First class valid for a time period of not less than 06 months from the last date of submission of bids.

ix) Average Annual financial turnover during any three financial years out of the last 05 years, ending 31st March of previous financial year, issued by a registered Chartered Accountant underhis seal and signature shall be Rs 25.00 lacs.

6. The Technical Bids of the tender document received shall be opened online in the office of Executive Engineer Jal Shakti (M) GWD Division Jammu on 20.07.2026 (1400 hrs). If the office happens to be closed on the date of opening of the bids as specified, the bids shall be opened on the next working day during the office hours.
7. The Financial Bids of the tender document of the qualified bidders shall be opened online in the office of the Executive Engineer Jal Shakti (M) GWD Division Jammu. If the office happens to be closed on the date of opening of the bids as specified, the bids shall be opened on the next working or as to be decided by tender opening committee.
8. Other details can be seen inside the detailed tender document.
9. Account Head: District Capex Budget 2026-27 (BDC)
10. AAA No. 86-Dev of 2026 Dated 29.06.2026
11. Status of Funds: under approved budget
12. Technical Sanction No. GWD/DB/175 of 07/2026 Dated 04.07.2026

GWD/3038-40 DATED: 07.07.2026

DIP/J-5344/26
Dtd:8-7-2026

Sd/-
Executive Engineer
Jal Shakti Mech. G.W.D. Division Jammu

जम्मू संभाग के भद्रवाह में बिना इजाज़त ट्रेकिंग या कैंपिंग नहीं- एडीसी

भद्रवाह, 08 जुलाई। जम्मू-कश्मीर के डोडा ज़िले के अधिकारियों ने सुरक्षा चिंताओं और संभावित प्राकृतिक खतरों का हवाला देते हुए भद्रवाह सब-डिविज़न में ट्रेकिंग, हाइकिंग, कैंपिंग और दूसरी एडवेंचर गतिविधियों पर रोक लगा दी है। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि भद्रवाह के एडिशनल डिप्टी कमिश्नर सुनील कुमार भित्याल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत यह आदेश जारी किया।

अधिकारी ने कहा कि जारी यह आदेश तुरंत लागू हो गया है और अगले आदेश तक लागू रहेगा। आदेश के अनुसार कोई भी व्यक्ति, समूह, ट्रेकिंग एजेंसी, टूर ऑपरेटर, गाइड, संस्थान या संगठन सक्षम अधिकारी से पहले लिखित अनुमति लिए बिना भद्रवाह के इलाके में कोई भी एडवेंचर गतिविधि नहीं करेगा, आयोजित नहीं करेगा या उसमें मदद नहीं करेगा। आदेश में इन प्रतिबंधों के पीछे सुरक्षा चिंताओं, मुश्किल रास्तों, खराब मौसम, भूस्खलन, अचानक बाढ़ और अन्य अप्रत्याशित प्राकृतिक खतरों का हवाला दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि इस कदम का मकसद बेहतर निगरानी, तालमेल और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसमें कहा गया है कि ये प्रतिबंध खानाबदोश समुदायों (जैसे गुर्जर-बकरवाल और गद्दी) पर लागू नहीं होंगे, हालांकि उनकी आवाजाही सक्षम अधिकारियों की अनुमति के अधीन रहेगी।

पुलिस, सेना, भद्रवाह विकास प्राधिकरण, वन विभाग और एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट को आदेश का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि किसी भी उल्लंघन पर भारतीय न्याय संहिता और अन्य लागू कानूनों के संबंधित प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

उप मुख्य अभियंता/निर्माण/डबलिंग उत्तरी रेलवे, जम्मू तवी भारत के राष्ट्रपति की ओर से और निम्नलिखित कार्य के लिए एक पैकेट सिस्टम के तहत खुले ई-निविदा आमंत्रित करते हैं:-

1.	काम और स्थान का नाम	जम्मू डिवीजन के JRC-PTK-JAT सेक्शन पर वंदे भारत रूट पर 15 kmph की PSR (स्थायी गति प्रतिबंध) को हटाने के लिए BHRL के रीमॉडलिंग के तहत, BHRL-JAT/ASR सेक्शन पर LC नंबर C-79 की जगह लिमिटेड हाइट सबवे (4.00x4.00M इंटरनल साइज़) का निर्माण और RRI बिल्डिंग, रिले हट व अन्य सहायक कार्यों का निर्माण।
2.	काम की समाप्ति अवधि	9 (नौ) महीने।
3.	लगभग काम की लागत	Rs. 8,11,86,856.82
4.	अग्रिम धन जमा करने के लिए कम से कम धन	Rs. 16,23,700.00
5.	ई-निविदा जमा करने और निविदा निविदाएं खोलने के लिए दिनांक और समय	आई.आर.ई.पी.एस वेबसाइट यानि **www.ireps.gov.in** पर 30.07.2026 की तारीख को 15:00 बजे तक निविदाएं अपलोड की जा सकती हैं। बोलीदाता ई-निविदा में भाग ले सकते हैं, जिसमें से, तकनीकी सहवाणिज्यिक बोलियां 30.07.2026 को 15:00 बजे खोली जाएंगी।
6.	विस्तृत निविदा सूचना और निविदा दस्तावेज	विस्तृत ई-निविदा सूचना उत्तरी रेलवे वेबसाइट **i.e. www.nr.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध है और निविदा दस्तावेज **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। ऊपर निविदा दस्तावेज 16.07.2026 से 30.07.2026 तक आईआरईपीएस वेबसाइट यानी **www.ireps.gov.in** पर प्रस्ताव जमा करने के लिए उपलब्ध होगा। उपरोक्त निविदाओं के संबंध में अन्य सभी नियम और शर्तें निविदा दस्तावेज में दी गई हैं। उपरोक्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर विस्तृत निविदा सूचना भी देखी जा सकती है।

निविदा सूचना क्रमांक 2-WDYCECDJAT-26-27 दिनांक 07.07.2026 2345/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

चालकों और सहायकों की स्वास्थ्य जांच, परामर्श, दवाइयां और जागरूकता सेवाएं उपलब्ध कराई गईं

जम्मू, 08 जुलाई (हि.स.)। व्यावसायिक वाहन चालकों और उनके सहायकों के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में स्वास्थ्य विभाग डोडा ने मंगलवार को पुल डोडा में निवारक स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया। यह शिविर उपायुक्त डोडा कृष्ण लाल के निर्देश तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी डोडा डॉ. विनोद शर्मा के मार्गदर्शन में क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय डोडा के समन्वय से आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य व्यावसायिक वाहन चालकों और सहायकों के बीच निवारक स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देना, सामान्य बीमारियों की समय रहते पहचान करना तथा स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाना था। लंबे समय तक वाहन चलाने और तनावपूर्ण कार्य परिस्थितियों के कारण इस वर्ग को होने वाले स्वास्थ्य जोखिमों को ध्यान में रखते हुए विशेष जांच की व्यवस्था की गई।

शिविर का संचालन डॉ. नासिर मसूद इंद्राबी के नेतृत्व में स्वास्थ्य टीम ने किया जिसमें डॉ. तानिया भट्ट, वरिष्ठ नेत्र तकनीशियन राजू कुमार और एफएमपीएचडब्ल्यू कोजिया बेगम शामिल रहे। इस दौरान लाभार्थियों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, नेत्र जांच, रक्तचाप और रक्त शर्करा की जांच की गई ताकि उच्च रक्तचाप और मधुमेह जैसी गैर-संचारी बीमारियों का समय रहते पता लगाया जा सके। शिविर में प्रतिभागियों को नि:शुल्क दवाइयां, चिकित्सकीय परामर्श और स्वास्थ्य संबंधी परामर्श सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। स्वास्थ्य टीम ने नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार, तंबाकू से दूरी, सड़क सुरक्षा, तनाव प्रबंधन और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के महत्व पर भी विस्तार से जानकारी दी ताकि जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम के साथ समग्र स्वास्थ्य में सुधार सुनिश्चित किया जा सके।

संपादकीय

ड्राइविंग लाइसेंस से पहले अनिवार्य प्रशिक्षण की जरूरत

जम्मू-कश्मीर में सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए व्यापक सुधारों की आवश्यकता है। केंद्र शासित प्रदेश में शायद ही कोई ऐसा दिन गुजरता हो, जब सड़क दुर्घटना में किसी के घायल होने या जान जाने की खबर सामने न आती हो। इन हादसों में अपने परिजनों और मित्रों को खोने वाले परिवारों का दर्द बेहद गंभीर है। ऐसे में अब सरकार के लिए सड़क सुरक्षा को केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी या संयोग का विषय मानना उचित नहीं होगा।

सरकार को इस दिशा में प्रभावी हस्तक्षेप करते हुए ऐसी मजबूत व्यवस्था विकसित करनी चाहिए, जिसमें केवल ड्राइविंग टेस्ट पास कर लाइसेंस जारी करने के बजाय चालक के कौशल, अनुशासन और सड़क सुरक्षा संबंधी समझ को प्राथमिकता दी जाए। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने वाला प्रत्येक व्यक्ति यातायात नियमों का पर्याप्त ज्ञान रखता हो, परिपक्वता और जिम्मेदारी के साथ वाहन चलाने में सक्षम हो तथा सुरक्षित ड्राइविंग की आदत विकसित कर चुका हो।

इसे व्यवहार में लाने के लिए आवश्यक है कि प्रत्येक लाइसेंस आवेदक के लिए सरकार से मान्यता प्राप्त ड्राइविंग प्रशिक्षण संस्थान से निर्धारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरा करना अनिवार्य किया जाए।

सरकार प्रत्येक जिला मुख्यालय में ऐसे प्रशिक्षण संस्थान भी स्थापित कर सकती है, जहां प्रशिक्षित ड्राइविंग प्रशिक्षकों की नियुक्ति की जाए। इन संस्थानों में पहले आवेदकों को व्यवस्थित प्रशिक्षण दिया जाए और उसके बाद प्रारंभिक परीक्षा लेकर यह आकलन किया जाए कि वे वास्तविक ड्राइविंग परीक्षा देने के योग्य हैं या नहीं।

पश्चिमी देशों में ऐसी व्यवस्था पहले से लागू है और उसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। इसलिए जम्मू-कश्मीर में भी इस मॉडल को अपनाने में कोई हानि नहीं है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि केंद्र शासित प्रदेश में बड़ी संख्या में ऐसे लोग ड्राइविंग लाइसेंस धारक हैं, जिन्हें यातायात के बुनियादी नियमों और संकेतों की भी पर्याप्त जानकारी नहीं है। यही कारण है कि सड़कें अधिक जोखिमपूर्ण बनती जा रही हैं।

यदि प्रत्येक चालक को वाहन चलाने की अनुमति मिलने से पहले व्यवस्थित और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण दिया जाए, तो बिना प्रशिक्षण या अपर्याप्त कौशल रखने वाले लोगों के ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने की संभावना काफी हद तक समाप्त हो जाएगी।

वर्तमान परिस्थितियां अत्यंत चिंताजनक हैं। इसलिए आवश्यक है कि ड्राइविंग लाइसेंस के प्रत्येक इच्छुक आवेदक को शुरुआत से ही गुणवत्तापूर्ण चालक प्रशिक्षण दिया जाए। इससे सुरक्षित सड़कों की मजबूत नींव रखी जा सकेगी, सड़क दुर्घटनाओं और उनमें होने वाली मौतों एवं गंभीर चोटों में उल्लेखनीय कमी आएगी तथा पूरे जम्मू-कश्मीर में जिम्मेदार और अनुशासित ड्राइविंग की संस्कृति विकसित होगी।

स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहन - विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की प्रगति का व्यावहारिक रास्ता

श्री श्रीपाद नाइक

वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितता, ऊर्जा की बढ़ती मांग और जलवायु से जुड़ी गंभीर चुनौतियों के इस दौर में, अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ऐसी ऊर्जा प्रणालियों का निर्माण करने की जरूरत है जो स्वच्छ व अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित, सस्ती एवं भरोसेमंद होने के साथ-साथ विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की विकास संबंधी जरूरतों तथा आर्थिक आकांक्षाओं के अनुरूप भी हों। स्वच्छ ऊर्जा दरअसल ऊर्जा सुरक्षा, औद्योगिक विकास और दीर्घकालिक विकास की दृष्टि से तेजी से अहम होती जा रही है। यह ईंधन बाजार में आने वाले उतार-चढ़ाव से पैदा होने वाले जोखिमों को कम कर सकती है, ऊर्जा को अपेक्षाकृत अधिक सुलभ बना सकती है, रोजगार सृजित कर सकती है, घरेलू उद्योगों को मजबूत कर सकती है और देश को अपेक्षाकृत अधिक सुदृढ़ बना सकती है। फिर भी, स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ने के रास्ते एक जैसे नहीं हो सकते। इन रास्तों को राष्ट्रीय परिस्थितियों, उपलब्ध संसाधनों और विकास की प्राथमिकताओं के हिसाब से निर्धारित किया जाना चाहिए। इसी बिंदु पर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के बीच आपसी सहयोग महत्वपूर्ण हो जाता है। ब्रिक्स के सदस्य देशों के बीच बेहतर सहयोग से स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के साथ-साथ ऊर्जा सुरक्षा, स्थिरता और समावेशी विकास के साझा लक्ष्यों को भी आगे बढ़ाया जा सकता है। भारत का अपना अनुभव यह बताता है कि स्वच्छ ऊर्जा की शुरुआत लोगों से ही होनी चाहिए। पिछले दशक में, प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य) के तहत लगभग 28.6 मिलियन घरों को बिजली के कनेक्शन दिए गए। इससे सभी तक बिजली पहुंचाने का काम आगे बढ़ा और ग्रामीण व कम सुविधा वाले इलाकों में लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत महिलाओं को 105 मिलियन से अधिक एलपीजी कनेक्शन दिए गए। इससे खाना पकाने के साफ-सुथरे तरीकों को बढ़ावा मिला, घर में सेहत बेहतर हुई और कठिन श्रम का बोझ कम हुआ। ये पहल एक महत्वपूर्ण सिद्धांत को रेखांकित करती हैं- स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने को केवल स्थापित मेगावाट या जोड़ी गई क्षमता के आधार पर नहीं मापा जा सकता, बल्कि इससे पैदा हुए अवसरों, सुदृढ़ हुई आजीविका और बेहतर हुए जीवन स्तर के आधार पर भी मापा जाना चाहिए। लोगों को प्राथमिकता देने वाले इस दृष्टिकोण के साथ-साथ बड़े पैमाने पर काम और सहयोगी बुनियादी ढांचे की भी जरूरत है। भारत की स्वच्छ ऊर्जा की कहानी में नवीकरणीय ऊर्जा अहम हो गई है।

लेकिन इसकी सफलता इसे समर्थन प्रदान करने वाली प्रणालियों पर निर्भर करती है। सौर और पवन ऊर्जा को तेजी से अपनाया जा सकता है, लेकिन इनकी पूरी क्षमता का लाभ तभी मिल पाएगा जब पारेषण (ट्रांसमिशन), वितरण (डिस्ट्रीब्यूशन), भंडारण (स्टोरेज) और ग्रिड प्रबंधन एकसाथ मिलकर काम करें। भारत ने स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार में सहायता प्रदान करने वाली प्रणालियों को मजबूत करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। पारेषण संबंधी बुनियादी ढांचे (ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर) कानिरंतर विस्तार हुआ है। इसके साथ-साथ ऊर्जा के भंडारण (एनर्जी स्टोरेज) और ग्रिड की सुदृढ़ता (ग्रिड फ्लेक्सिबिलिटी) के क्षेत्र में भी निवेश बढ़ा है। वितरण (डिस्ट्रीब्यूशन) संबंधी सुधारों और उन्नत ग्रिड तकनीक को अपनाने से एक ऐसी बेहतर एवं भरोसेमंद ऊर्जा प्रणाली बनाने में मदद मिली है, जो नवीकरणीय ऊर्जा की बढ़ती हिस्सेदारी को समन्वित करने में सक्षम है। भारत की गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित क्षमता अब 288 गीगावॉट से अधिक हो गई है। बड़े पैमाने की परियोजनाओं के अलावा, वितरित नवीकरणीय ऊर्जा (डीआरई) प्रणालियां - जैसे कि रूफटॉप सोलर, सोलर पंप, मिनी-ग्रिड और माइक्रो-ग्रिड - ग्रामीण और कम सुविधा वाले इलाकों में स्वच्छ ऊर्जा को और अधिक सुलभ बना रही हैं। ये प्रणालियां सिंचाई, कोल्ड स्टोरेज, स्कूलों, हेल्थकेयर सेंटरों तथा स्थानीय व्यवसायों को मदद पहुंचाने के साथ-साथ ग्रामीण आजीविका और स्थानीय आर्थिक सुदृढ़ता को भी बढ़ावा दे रही हैं। भारत की 'पीएम सूर्य घर- मुफ्त बिजली योजना' बड़े पैमाने पर इस दृष्टिकोण को दर्शाती है। इस योजना से अब तक लगभग 4 मिलियन परिवारों को लाभ हुआ है, जिससे उपभोक्ता अपेक्षाकृत अधिक विकेन्द्रीकृत एवं भागीदारी वाली

पछले दशक में, प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य) के तहत लगभग 28.6 मिलियन घरों को बिजली के कनेक्शन दिए गए। इससे सभी तक बिजली पहुंचाने का काम आगे बढ़ा और ग्रामीण व कम सुविधा वाले इलाकों में लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत महिलाओं को 105 मिलियन से अधिक एलपीजी कनेक्शन दिए गए। इससे खाना पकाने के साफ-सुथरे तरीकों को बढ़ावा मिला, घर में सेहत बेहतर हुई और कठिन श्रम का बोझ कम हुआ। ये पहल एक महत्वपूर्ण सिद्धांत को रेखांकित करती हैं- स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने को केवल स्थापित मेगावाट या जोड़ी गई क्षमता के आधार पर नहीं मापा जा सकता, बल्कि इससे पैदा हुए अवसरों, सुदृढ़ हुई आजीविका और बेहतर हुए जीवन स्तर के आधार पर भी मापा जाना चाहिए।

ऊर्जा प्रणाली में योगदान देने वाले बन पाए हैं। हालांकि, स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार में वित्त पोषण सबसे अहम तत्वों में से एक बना रहेगा। कई विकासशील देशों में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, लेकिन इन संभावनाओं को बड़े पैमाने पर लागू करने तथा बैंक से ऋण पाने योग्य परियोजनाओं में बदलने हेतु सस्ती और दीर्घकालिक पूंजी की जरूरत होती है। आने वाले वर्षों में नवीकरणीय ऊर्जा, वितरण संबंधी बुनियादी ढांचा, ग्रिड के आधुनिकीकरण, भंडारण प्रणाली और कम ऊर्जा खर्च करने वाली तकनीकों में निवेश बेहद जरूरी होगा। न्यू डेवलपमेंट बैंक जैसे संस्थान वित्त पोषण, तकनीक संबंधी साझेदारी और क्षमता विकास के जरिए विकासशील देशों की मदद करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। स्वच्छ ऊर्जा से जुड़ी तकनीकों के लिए सुदृढ़ एवं विविधतापूर्ण आपूर्ति श्रृंखला बनाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए सुरक्षित, सस्ती और भरोसेमंद ऊर्जा प्रणालियां सुनिश्चित करने हेतु मैन्यूफैक्चरिंग, तकनीक, नवाचार और आपूर्ति श्रृंखला के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाना जरूरी होगा। अब जबकि ब्रिक्स की भारत की अध्यक्षता आगे बढ़ रही है, सहयोग की एक ऐसी भविष्योन्मुखी रूपरेखा को मजबूत करने का अवसर है जो सामर्थ्य, बड़े पैमाने पर काम करने की क्षमता, विश्वसनीयता, तकनीक की सुलभता, सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला और सतत विकास का समर्थन करे। चुनौती सिर्फ स्वच्छ ऊर्जा की क्षमता को बढ़ाने की ही नहीं, बल्कि ऐसे ऊर्जा प्रणाली के निर्माण की भी है जो सबके लिए सुलभ, किफायती एवं भरोसेमंद होने के साथ-साथ दीर्घकालिक आर्थिक विकास और मानव विकास को कायम रखने में सक्षम हों।

(लेखक विद्युत राज्यमंत्री हैं)

अमरनाथ यात्रा का संदेश: जीवन का प्रत्येक क्षण शिवमय बन जाए

स्वामी अवधेशानंद गिरि

शुभं करोति कल्याणं, शिवः सर्वत्र संस्थितः। श्री अमरनाथ धाम केवल एक तीर्थ नहीं अपितु सनातन भारत की तपःपरम्परा, वैराग्य, आत्मशुद्धि और शिवतत्त्व की सजीव अनुभूति का दिव्य केन्द्र है। यहाँ पहुँचने वाला प्रत्येक श्रद्धालु केवल हिमालय की ऊँचाइयों की यात्रा नहीं करता बल्कि अपने ही अंतःकरण की गहराइयों की ओर अग्रसर होता है। कभी-कभी प्राकृतिक परिस्थितियों के कारण बाबा बर्फानी का हिमलिंग पूर्ण रूप में दिखाई नहीं देता अथवा अंतर्ध्यान हो जाता है। ऐसे समय अनेक श्रद्धालुओं के मन में विषाद उत्पन्न होना स्वाभाविक है। किन्तु क्या शिव केवल हिमलिंग में ही सीमित हैंक्या अनन्त, अखण्ड, सर्वव्यापक महादेव किसी एक दृश्य रूप के अभाव से अप्रकट हो जाते हैं

भगवत्पाद भाष्यकार भगवान् आदि शंकराचार्य के अद्वैत वेदान्त की दृष्टि में परमात्मा नित्य, निराकार, सर्वव्यापक और अखण्ड चैतन्य है। वही परम शिव कभी हिमलिंग के रूप में दर्शन देते हैं तो कभी हिमालय की निःशब्दता में, कभी गुफा की दिव्य शांति में तो कभी श्रद्धालु के निर्मल हृदय में स्वयं प्रकाशित हो जाते हैं।

शिवमहिम्न स्तोत्र में भगवान् शिव की अनन्त महिमा का वर्णन करते हुए कहा गया है:

असितगिरिसमं स्यात् कज्जलं सिन्धुपात्रे
सुरतरुवरशाखा लेखनी पत्रमुर्वी।
लिखति यदि गृहीत्वा शारदा सर्वकालं
तदपि तव गुणानामीश पारं न याति॥

(यदि नील पर्वत स्याही बन जाए, समुद्र स्याही पात्र बन जाए, कल्पवृक्ष की शाखा लेखनी बन जाए और सम्पूर्ण पृथ्वी कागज़ बन जाए तथा स्वयं सरस्वती अनन्तकाल तक लिखती रहें, तब भी हे महादेव! आपके गुणों का पार नहीं पाया जा सकता।)

अतः जो अनन्त है, उसे किसी एक दृश्य रूप तक सीमित नहीं किया जा सकता। हिमलिंग भगवान् की करुणा का एक दिव्य प्रतीक है; परन्तु शिव की सत्ता उससे कहीं अधिक व्यापक, असीम और सनातन है।

अमरनाथ यात्रा- त्याग से आत्मबोध तक की कल्याणकारी यात्रा

लोकश्रुति के अनुसार, माता पार्वती को अमरत्व का परम रहस्य सुनाने से पूर्व भगवान् शिव ने मार्ग में अपनी समस्त लौकिक विभूतियों (प्रतीकों) और आसक्तियों का क्रमशः परित्याग किया-

पहलगाम में नंदी को विराम दिया।
चंदनवाड़ी में मस्तक के चंद्र का त्याग किया।
शेषनाग में नागों का विसर्जन किया।
महागुणस पर्वत पर श्रीगणेश को विराम दिया।
पंचतरणी में पंचमहाभूतों के प्रतीकात्मक अतिक्रमण द्वारा समस्त देहाभिमान का अतिक्रमण किया।

यह केवल पौराणिक कथा ही नहीं बल्कि प्रत्येक साधक की आन्तरिक साधना का दिव्य संकेत है। जब तक अहंकार, ममता, देहाभिमान और आसक्ति का त्याग नहीं होता तब तक अमरकथा का वास्तविक श्रवण सम्भव नहीं। अतः अमरनाथ की यात्रा पैरों से कम और अंतःकरण से अधिक की जाती है। जब श्रद्धालु भगवान् अमरनाथ की उस पावन गुफा में प्रवेश करता है, तब वह केवल एक गुफा के सम्मुख नहीं अपितु उस दिव्य तपोभूमि में उपस्थित होता है जहाँ स्वयं देवाधिदेव भगवान् मृत्युंजय महादेव ने आत्मा, ब्रह्म, जन्म, मृत्यु, पुनर्जन्म, मोक्ष और अमरत्व का परम रहस्य प्रकट किया था।

शिव का वास्तविक पूजन

भगवत्पाद शंकराचार्य विरचित शिवमानसपूजा हमें बताती है कि भगवान् शिव की सर्वोच्च आराधना बाह्य सामग्री से नहीं बल्कि निर्मल अंतःकरण से होती है-

आत्मा त्वं गिरिजा मतिः सहचराः प्राणाः शरीरं गृहं।
पूजा ते विषयोपभोगरचना निद्रा समाधिस्थितिः॥

(हे प्रभु! आप ही मेरे आत्मस्वरूप हैं, मेरी बुद्धि ही पार्वती हैं, प्राण आपके गण हैं, यह शरीर आपका मंदिर है; मेरे समस्त कर्म ही आपकी पूजा हैं) अंत में- यद्यत्कर्म करोमि तत्तदखिलं शम्भो तवाराधनम्॥ अर्थात हे शम्भो! मैं जो भी कर्म करता हूँ, वह सब आपकी आराधना ही है।

यही अमरनाथ यात्रा का वास्तविक संदेश है- जीवन का प्रत्येक क्षण शिवमय बन जाए।

हिमलिंग अंतर्ध्यान हो सकता है, शिव नहीं। यदि हिमलिंग पूर्ण रूप में न भी दिखाई दे तो श्रद्धा में कोई कमी नहीं आनी चाहिए। जिसने उस दिव्यधाम तक पहुँचने का सौभाग्य पाया, जिसने कठिन मार्ग की तपस्या की, जिसने हर-हर महादेव का उद्घोष करते हुए अपने भीतर के अहंकार को पिघलाया, वास्तव में वही शिवकृपा और उनके असीम अनुग्रह का अधिकारी है।

शिव केवल हिमलिंग में नहीं; वे हिमालय की प्रत्येक शिला में हैं, गुफा की प्रत्येक शीतल श्वास में हैं, यात्रियों के प्रत्येक कदम में हैं, प्रत्येक मंत्र में हैं, प्रत्येक अश्रु में हैं, भक्ति के प्रत्येक भाव में हैं और प्रत्येक हृदय में विराजमान हैं। हिमलिंग के दर्शन महादेव का प्रसाद हैं किन्तु अमरनाथ की यात्रा स्वयं महादेव की कृपा का साक्षात् अनुभव है। अतः स्मरण रहे कि हिमलिंग अंतर्ध्यान हो सकता है, शिव कभी नहीं। वे नित्य हैं, शाश्वत हैं, सर्वव्यापक हैं और श्रद्धा से परिपूर्ण प्रत्येक हृदय में सदैव प्रकाशित हैं।

(लेखक, जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर हैं।)

भगवत्पाद भाष्यकार भगवान् आदि शंकराचार्य के अद्वैत वेदान्त की दृष्टि में परमात्मा नित्य, निराकार, सर्वव्यापक और अखण्ड चैतन्य है। वही परम शिव कभी हिमलिंग के रूप में दर्शन देते हैं तो कभी हिमालय की निःशब्दता में, कभी गुफा की दिव्य शांति में तो कभी श्रद्धालु के निर्मल हृदय में स्वयं प्रकाशित हो जाते हैं।
शिवमहिम्न स्तोत्र में भगवान् शिव की अनन्त महिमा का वर्णन करते हुए कहा गया है:

अमेरिका कैसे तैयार करता है खेल चैंपियन और उद्योग

सैयद सुलेमान अख्तर, स्पैन पत्रिका

मुंबई स्थित अमेरिकी कांसुलेट द्वारा भोपाल में आयोजित एक हाइब्रिड सत्र के दौरान 80 से अधिक खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, कोचों और खेल प्रशासकों को संबोधित करते हुए ग्लोबल स्पोर्ट्स मेंटरिंग प्रोग्राम की पूर्व प्रतिभागी वैद्य ने बताया कि अमेरिकी खेल प्रणालियाँ खिलाड़ी विकास, विज्ञान, शिक्षा और व्यवसाय को किस प्रकार एक साथ जोड़कर न केवल चैंपियन तैयार करती हैं बल्कि पूरे खेल उद्योग का विकास भी करती हैं। वैदेही वैद्य चाहती हैं कि भारतीय खेल पेशेवर पदकों और मुकाबलों से आगे की सोच विकसित करें।

उनके सत्र का शीर्षक था अमेरिका की खेल प्रणालियाँ और मार्ग- चैंपियन और उद्योगों को आकार देने वाली संरचनाएँ। इस सत्र में प्रतिभागियों को यह समझाया गया कि अमेरिका स्कूलों, कॉलेजों, पेशेवर लीग और विशेष सहायता नेटवर्कों के माध्यम से दीर्घकालिक खेल प्रणालियों का निर्माण कैसे करता है। अमेरिका में अपने अनुभव के आधार पर वैद्य कहती हैं कि अमेरिकी खेलों की सफलता उन प्रणालियों में निहित है जो हर स्तर पर खिलाड़ियों को सहयोग प्रदान करने के लिए तैयार की गई हैं।

वैद्य कहती हैं, अमेरिका तीन आयामी दृष्टिकोण अपनाता है: संरचित, वैज्ञानिक और पेशेवर। अमेरिकी खेल उद्योग अत्यंत सुव्यवस्थित है। खेल क्षेत्र में प्रवेश करने वाले खिलाड़ियों को आमतौर पर अपने कॅरियर के मार्ग की स्पष्ट समझ होती है। स्कूल टीमों से लेकर राष्ट्रीय लीग तक, प्रदर्शन विज्ञान के महत्व को व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है।

अमेरिकी दृष्टिकोण केवल खिलाड़ियों के प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें बुनियादी ढाँचे, प्रबंधन और पेशेवर सहायता प्रणालियों में दीर्घकालिक निवेश भी शामिल है, जो समग्र रूप से खेल उद्योग को सशक्त बनाते हैं।

ग्लोबल स्पोर्ट्स मेंटरिंग प्रोग्राम ने साझा की सफलता की रणनीतियाँ

वैद्य ने अमेरिकी विदेश विभाग के ग्लोबल स्पोर्ट्स मेंटरिंग प्रोग्राम में भाग लिया था, जिसका संचालन टेनेसी विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर स्पोर्ट, पीस एंड सोसाइटी द्वारा किया जाता है। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय खेल दिग्गजों को अमेरिकी मेंटर्स और संस्थानों से जोड़ता है ताकि खेल नेतृत्व और प्रबंधन से जुड़ी सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों का आदान-प्रदान किया जा सके।

इस आदान-प्रदान कार्यक्रम के दौरान वैद्य ने देखा कि अमेरिकी खेल क्षेत्र में अनुसंधान, तकनीकी विशेषज्ञता और पेशेवर प्रबंधन किस प्रकार मिलकर कार्य करते हैं। इस अनुभव ने उन्हें यह समझने का अवसर दिया कि अमेरिकी संगठन ऐसे दीर्घकालिक तंत्र कैसे विकसित करते हैं जो खिलाड़ियों और खेल पेशेवरों दोनों का समर्थन करते हैं। वह कहती हैं, चाहे कोचिंग हो, खेल विज्ञान हो या डेटा विश्लेषण, इन सभी क्षेत्रों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाता है और अनुसंधान का समर्थन प्राप्त होता है। यह कार्यप्रणाली मज़बूत तकनीकी कार्यक्रमों के विकास में योगदान देती है और ऐसे पेशेवरों को तैयार करती है जो अपने-अपने क्षेत्रों में उच्च स्तर की विशेषज्ञता प्रदर्शित करते हैं।

इस कार्यक्रम ने उन्हें खेल क्षेत्र के अग्रणी लोगों से जुड़ने और यह बेहतर समझने का अवसर भी दिया कि अमेरिकी संस्थान नवाचार और पेशेवर विकास को बढ़ावा देने वाले नेटवर्क कैसे विकसित करते हैं। वैद्य कहती हैं, मुझे प्रमुख खेल दिग्गजों से जुड़ने का अवसर मिला, जिसने व्यक्तिगत और पेशेवर विकास के प्रति मेरे दृष्टिकोण को गहराई से प्रभावित किया। इस कार्यक्रम ने मुझे प्रभावी प्रणालियाँ लागू करने में सक्षम बनाया, जो भारत में एक सशक्त व्यवसाय स्थापित करने में योगदान देंगी।

अमेरिकी खेल व्यवस्था द्वारा स्कूलों और कॉलेजों को जोड़ना

अमेरिकी मॉडल की सबसे प्रमुख विशेषताओं में से एक है खिलाड़ी विकास में शैक्षणिक संस्थानों की मज़बूत भूमिका। स्कूल और कॉलेज खिलाड़ियों के लिए सुव्यवस्थित मार्ग तैयार करते हैं और साथ ही खेलों के व्यावसायिक विकास में भी योगदान देते हैं। वह कहती हैं, अमेरिका में स्कूल और कॉलेज, दोनों स्तरों पर खेलों का एकीकरण खिलाड़ी के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। अमेरिका में स्कूलों और कॉलेजों की खेल प्रणाली सुव्यवस्थित है और इसमें व्यावसायिक पहलू भी शामिल है। कई खिलाड़ियों का चयन कॉलेज प्रतियोगिताओं से राष्ट्रीय स्तर की लीग में भाग लेने के लिए किया जाता है, जिससे यह खेल प्रणाली राष्ट्रीय टीमों के लिए एक प्रभावी आधार तैयार कर पाती है।

उन्होंने उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी ढाँचे तक पहुँच के महत्व पर भी जोर दिया। उनके अनुसार, प्रारंभिक चरण में पेशेवर सुविधाओं का अनुभव खिलाड़ियों को उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने में मदद करता है। वह बताती हैं, शैक्षणिक संस्थानों में उपलब्ध होने वाली पेशेवर स्तर की खेल सुविधाओं के चलते खेलों के विकास और प्रगति में मदद प्रदान हो जाती है।

खेल विज्ञान और पेशेवर सहायता

बुनियादी ढाँचे और प्रतियोगिता के मार्गों से आगे बढ़कर, वैद्य कहती हैं कि अमेरिकी प्रणाली की एक विशेषता यह भी है कि वह खिलाड़ी प्रशिक्षण और प्रदर्शन प्रबंधन में विशेषज्ञ पेशेवरों को किस प्रकार शामिल करती है।

विश्लेषक, मनोवैज्ञानिक, प्रशिक्षक और अन्य विशेषज्ञ कोच के साथ मिलकर खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने और व्यापक खेल उद्योग को मज़बूत करने का कार्य करते हैं। वह कहती हैं, अमेरिका में खेल विश्लेषकों और खेल मनोवैज्ञानिकों जैसे विशेषज्ञ पेशेवरों के महत्व और खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर उनके सकारात्मक प्रभाव के लिए व्यापक मान्यता प्राप्त है। कोच इन विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण और प्रतियोगिता में जो बेहतरी की जाती है, उसे स्वीकार करते हैं और उन्हें खेल प्रणाली का अनिवार्य हिस्सा मानते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि यह सहयोगात्मक दृष्टिकोण केवल खिलाड़ियों के प्रदर्शन में ही नहीं बल्कि खेलों के प्रबंधन और संगठन में भी नवाचार को प्रोत्साहित करता है। वैद्य कहती हैं, इन पेशेवरों का समावेश खेल उद्योग के संगठनात्मक, प्रबंधकीय और तकनीकी क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देता है।

खेल स्थल सामुदायिक जुड़ाव को कैसे बढ़ावा देते हैं

भोपाल सत्र के दौरान वैद्य ने प्रतिभागियों को खेलों को केवल प्रतियोगिता के रूप में नहीं बल्कि एक सामुदायिक अनुभव और आर्थिक विकास के साधन के रूप में देखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि अमेरिका में खेल स्थल अक्सर ऐसे सामुदायिक केंद्रों की तरह कार्य करते हैं जो लोगों को एक साथ लाते हैं और खेलों के प्रति सहभागिता को बढ़ाते हैं।

वह कहती हैं, मेरा उद्देश्य था कि वे समझ सकें कि अमेरिकी स्कूल और कॉलेज खेल प्रणाली कैसे कार्य करती है। मैं यह भी चाहती थी कि वे खेलों के सामुदायिक आयाम को समझें, जहाँ खेल स्थल केवल स्टेडियम नहीं होते, बल्कि लोगों के एकत्र होने के स्थान भी होते हैं।

वह कहती हैं कि सत्र का एक प्रमुख उद्देश्य ऐसे दीर्घकालिक तंत्रों के महत्व को रेखांकित करना भी था जो खेलों के सतत विकास में मदद देते हैं। वह बताती हैं, मैं चाहती थी कि वे यह समझें कि खेलों में सफलता स्थापित प्रणालियों पर निर्भर करती है, केवल ओलिंपिक खेलों पर ध्यान केंद्रित करने से आगे बढ़कर टिकाऊ खेल व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता को समझें, और खेल स्थलों तथा आयोजनों को सामुदायिक सहभागिता के दृष्टिकोण से देखें।

वैद्य ने अमेरिकी विदेश विभाग के ग्लोबल स्पोर्ट्स मेंटरिंग प्रोग्राम में भाग लिया था, जिसका संचालन टेनेसी विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर स्पोर्ट, पीस एंड सोसाइटी द्वारा किया जाता है। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय खेल दिग्गजों को अमेरिकी मेंटर्स और संस्थानों से जोड़ता है ताकि खेल नेतृत्व और प्रबंधन से जुड़ी सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों का आदान-प्रदान किया जा सके। इस आदान-प्रदान कार्यक्रम के दौरान वैद्य ने देखा कि अमेरिकी खेल क्षेत्र में अनुसंधान, तकनीकी विशेषज्ञता और पेशेवर प्रबंधन किस प्रकार मिलकर कार्य करते हैं। इस अनुभव ने उन्हें यह समझने का अवसर दिया कि अमेरिकी संगठन ऐसे दीर्घकालिक तंत्र कैसे विकसित करते हैं जो खिलाड़ियों और खेल पेशेवरों दोनों का समर्थन करते हैं। वह कहती हैं, चाहे कोचिंग हो, खेल विज्ञान हो या डेटा विश्लेषण, इन सभी क्षेत्रों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाता है और अनुसंधान का समर्थन प्राप्त होता है।

ओरिएंटल कप 2026: डीपीएस आरके पुरम और फरीदाबाद के गवर्नमेंट गर्ल्स स्कूल ने जीत से किया आगाज

एजेंसी

नई दिल्ली। ओरिएंटल कप फुटबॉल टूर्नामेंट के चौथे संस्करण का शुभारंभ मंगलवार को डॉ. अंबेडकर स्टेडियम में शानदार अंदाज में हुआ। पहले दिन गत चैंपियन दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) आरके पुरम और गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, फरीदाबाद ने अपने-अपने मुकाबले बड़े अंतर से जीतकर विजयी शुरुआत की। लड़कों के वर्ग में डीपीएस आरके पुरम ने वसंत वैली स्कूल को 5-0 से हराया। मैच का पहला हाफ गोलरहित रहा, लेकिन दूसरे हाफ में अभय भारद्वाज ने शानदार हैट्रिक लगाई, जबकि आदित्य लाल और रिदित डांग ने एक-एक गोल कर टीम को एकतरफा जीत दिलाई। लड़कियों के वर्ग में गत विजेता गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, फरीदाबाद ने नेवी चिल्ड्रेन स्कूल को 5-0 से शिकस्त दी। सोम्या ने चार गोल दागकर मैच की स्टार खिलाड़ी रहीं, जबकि इशु ने एक गोल किया। टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह में भारतीय फुटबॉल टीम के खिलाड़ी रोहित कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने युवा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे टूर्नामेंट भविष्य के खिलाड़ियों को बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने आयोजन समिति की इस पहल की सराहना करते हुए इसे भारतीय स्कूली फुटबॉल के लिए महत्वपूर्ण बताया।अन्य मुकाबलों में लड़कियों के वर्ग में वसंत वैली स्कूल ने डीपीएस आरके पुरम को 3-0 से हराया, जबकि मॉडर्न स्कूल ने पूर्व चैंपियन संस्कृति स्कूल को 4-0 से मात दी। ध्वनि बिदादा ने हैट्रिक लगाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के कैजुअल प्लेइंग कॉन्ट्रैक्ट में फिन एलन समेत चार खिलाड़ी शामिल

एजेंसी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने 2026-27 सत्र के लिए फिन एलन, लॉकी फर्ग्यूसन, टिम साइफर्ट और एडम मिल्ने को कैजुअल प्लेइंग कॉन्ट्रैक्ट प्रदान किया है। चारों खिलाड़ी सीमित ओवरों के विशेषज्ञ हैं और आगामी घरेलू दौरे के लिए चयन की दौड़ में बने रहेंगे। इन खिलाड़ियों को अक्टूबर-नवंबर में भारत के खिलाफ होने वाली पांच टी20 और पांच वनडे मैचों की सीरीज के लिए उपलब्ध रखा जाएगा। इसके अलावा वे 2027 वनडे विश्व कप और उसके बाद होने वाले टी20 विश्व कप की योजनाओं का भी हिस्सा रहेंगे। पिछले अनुबंध चक्र में कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट पर रहने वाले पूर्व कप्तान केन विलियमसन अब इस सूची में शामिल नहीं हैं, क्योंकि उन्होंने पिछले महीने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। वहीं जेम्स नीशम ने ऑकलैंड के साथ घरेलू अनुबंध किया है, जबकि डेवोन कॉनवे और ब्लेयर टिकनर की केंद्रीय अनुबंध सूची में वापसी हुई है। न्यूजीलैंड क्रिकेट के चयनकर्ता गेविन लार्सन ने कहा कि फिन एलन, लॉकी फर्ग्यूसन, एडम मिल्ने और टिम साइफर्ट को फिर से अनुबंध कार्यक्रम में शामिल करके बोर्ड बेहद खुश है। उन्होंने कहा कि इन चारों खिलाड़ियों ने कई मौकों पर ब्लैककैप्स के लिए मैच जिताने वाली पारियां और प्रदर्शन किए हैं। दुनिया भर की फ्रेंचाइजी लीगों में खेलने से उन्हें अनुभव मिलता है, जिसका फायदा न्यूजीलैंड टीम को भी मिलता है। चारों खिलाड़ी इस समय मेजर लीग क्रिकेट 2026 में खेल रहे हैं। टिम साइफर्ट सिएटल ऑर्कास, फिन एलन सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स, लॉकी फर्ग्यूसन वॉशिंगटन फ्रीडम और एडम मिल्ने टेक्सास सुपर किंग्स की ओर से खेल रहे हैं। इससे पहले जून में न्यूजीलैंड क्रिकेट ने 20 खिलाड़ियों की केंद्रीय अनुबंध सूची जारी की थी, जिसमें डेवोन कॉनवे और ब्लेयर टिकनर की वापसी हुई थी, जबकि अब चार खिलाड़ियों को कैजुअल प्लेइंग कॉन्ट्रैक्ट देकर सीमित ओवरों की योजनाओं में शामिल रखा गया है।

न्यूजीलैंड की केंद्रीय अनुबंध सूची (2026-27)..

टॉम ब्लंडेल, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, जैक फॉल्क्स, मिच हे, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, हेनरी निकोल्स, विल ओ'रूर्क, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मिशेल सैंटनर, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ, ब्लेयर टिकनर और विल यंग।

मुरादाबाद के युवा क्रिकेटर आर्यन जुयाल दूसरी बार गोरखपुर लायंस की टीम में

एजेंसी

मुरादाबाद। यूपी टी-20 लीग के चौथे सीजन से पहले गोरखपुर लायंस ने अपने रिटेन खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। इसमें मुरादाबाद के जिगर कॉलोनी निवासी युवा क्रिकेटर आर्यन जुयाल को लगातार दूसरी बार रिटेन किया गया है। इसके साथ ही वह तीसरे सीजन में भी गोरखपुर लायंस का हिस्सा रहेंगे। आर्यन दाएं हाथ के आक्रामक सलामी बल्लेबाज और विकेटकीपर हैं। आर्यन जुयाल यूपी टी-20 लीग के दूसरे सीजन से गोरखपुर लायंस का हिस्सा रहे हैं। हालांकि पिछले सीजन में चोट के कारण वह लीग नहीं खेल सके थे। इसके बाद उन्होंने टीम का भरोसा कायम रखा। लगातार दूसरी बार रिटेन किए जाने से उनके प्रदर्शन और टीम प्रबंधन के विश्वास पर मुहर लगी है। यूपी टी-20 लीग का चौथा सीजन 14 अगस्त से शुरू होगा। प्रतियोगिता में गोरखपुर लायंस के अलावा मेरठ मेवरिक्स, नोएडा किंग्स, काशी रुद्रास, कानपुर सुपरस्टार्स और लखनऊ फाल्कंस की टीमें हिस्सा लेंगी। लीग के लिए खिलाड़ियों की नीलामी जुलाई के मध्य में होने की संभावना है।

अफगानिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शपूर जदरान का लंबी बीमारी के बाद निधन

नई दिल्ली। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज शपूर ज़दरान का 38 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह लंबे समय से हेमोफैगोसाइटिक लिम्फोहिस्टियोसाइटोसिस नामक दुर्लभ प्रतिरक्षा तंत्र संबंधी बीमारी से जूझ रहे थे। पिछले कुछ महीनों से उनका इलाज दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के एक अस्पताल में चल रहा था। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर उनके निधन की पुष्टि करते हुए गहरा शोक व्यक्त किया। बोर्ड ने अपने बयान में कहा, शपूर ज़दरान अफगानिस्तान क्रिकेट की नींव रखने वाले खिलाड़ियों में से एक थे। उनकी मेहनत, जुनून और समर्पण ने देश में क्रिकेट के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह उन खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्होंने अफगानिस्तान क्रिकेट को अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने का रास्ता तैयार किया। बोर्ड ने आगे कहा, मैदान पर उपलब्धियों के अलावा शपूर ज़दरान युवा अफगान क्रिकेटरों और दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों के लिए प्रेरणा थे। उनका जुझारूपन, संघर्ष और खेल के प्रति समर्पण आने वाली पीढ़ियों को बड़े सपने देखने और अफगानिस्तान क्रिकेट के भविष्य पर विश्वास करने की प्रेरणा देता रहेगा।

फीफा वर्ल्ड कप : शानदार वापसी के साथ अर्जेंटीना ने मिस्र को 3-2 से हराया, क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

अटलांटा। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 16 मैच में मंगलवार को मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना ने मिस्र के खिलाफ 0-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए 3-2 से जीत हासिल की। अटलांटा में खेले गए इस मैच को अपने नाम करते हुए अर्जेंटीना ने क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली है। इस मैच में लियोनेल मेसी ने एक गोल में असिस्ट करने के बाद खुद भी एक गोल किया, जबकि एंजो फर्नांडीज ने स्टॉपेज टाइम (90+3') में विजयी गोल दागा। अर्जेंटीना ने राउंड ऑफ 16 मैच में 0-2 से पिछड़ने के बाद वापसी की। मिस्र के लिए यासर इब्राहिम (15वें मिनट) और मुस्तफा जिको (62वें मिनट) ने गोल किए थे, जिससे मौजूदा चैंपियन के टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होने का खतरा पैदा हो गया था, लेकिन मेसी ने अपना जादू दिखाया; पहले उन्होंने अटैक शुरू किया और 79वें मिनट में क्रिस्टियन रोमेरो के गोल में मदद की। इसके बाद 83वें मिनट में खुद भी गोल किया। लुटारो ने एक लंबी गेंद एरिया में डाली, जो अर्जेंटीना के कप्तान के लिए सही जगह गिरी और उन्होंने उसे गोल की तरफ किक किया। गोलकीपर शोबेइर ने गेंद को छूने की कोशिश की, लेकिन वह बार से टकराकर अंदर चली गई और स्कोर 2-2 हो गया।

विंबलडन: सिनर का शानदार सफर जारी, स्ट्रफ को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश

लंदन। मौजूदा चैंपियन जानिक सिनर ने जान-लेनार्ड स्ट्रफ के खिलाफ 7-5, 7-6(4), 6-3 से जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। शुक्रवार को सेमीफाइनल मुकाबले में सिनर के सामने सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच या तीसरी वरीयता प्राप्त फेलिक्स ऑगर-एलियासिमे से होंगे। लंदन के ऑल-इंग्लैंड लॉन टेनिस क्लब में पहला सेट हारने और दूसरे सेट की शुरुआत में ही एक ब्रेक से पिछड़ने के बाद, स्ट्रफ ने अपनी आक्रामकता और बढ़ा दी। उन्होंने सिनर को परेशान करने के लिए अपने जबरदस्त फोरहैंड और सही समय पर नेट की ओर बढ़ने की रणनीति का इस्तेमाल किया। वर्ल्ड नंबर 74 खिलाड़ी ने तुरंत ब्रेक बैक के साथ जवाब दिया। पूरे सेट के दौरान वही दबाव बनाए रखा और आखिरकार 5-4, 30/40 पर सेट प्वाइंट हासिल किया।

इंग्लैंड ने तीसरे टी20 में भारत को 125 रन से रौंदा, टीम इंडिया सिर्फ 76 रन पर ढेर

एजेंसी

नॉटिंघम। इंग्लैंड ने ट्रेंट ब्रिज में खेले गए तीसरे टी20 मुकाबले में भारत को 125 रन के बड़े अंतर से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली। 202 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों के सामने पूरी तरह बिखर गई और सिर्फ 76 रन पर सिमट गई।

भारत की शुरुआत आक्रामक रही। अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी ने कुछ आकर्षक शॉट लगाए, लेकिन जोश टंग और जोफ्रा आर्चर ने शुरुआती झटके देकर भारतीय बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। ईशान किशन, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल और शिवम दुबे भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। भारत ने पहले छह ओवर में ही पांच विकेट गंवा दिए और इसके बाद पूरी टीम 11.4 ओवर में ऑलआउट हो गई। इंग्लैंड की ओर से जोश टंग ने चार विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज रहे, जबकि जोफ्रा आर्चर ने तीन और आदिल रशीद ने दो विकेट अपने नाम किए।

इससे पहले इंग्लैंड ने 20 ओवर में सात विकेट पर 201 रन बनाए। फिल सॉल्ट ने 70 रन की शानदार पारी खेली, जबकि सैम करन 41 रन

बनाकर नाबाद लौटे। जोस बटलर ने 36 रन का योगदान दिया। भारत की ओर से प्रिंस यादव और हर्षित राणा ने दो-दो विकेट लिए। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है और अब उसके पास अगले मुकाबले में सीरीज जीतने का मौका होगा।

संक्षिप्त स्कोर

इंग्लैंडः 201/7 (20 ओवर)

फिल सॉल्ट 70,सैम करन नाबाद 41,प्रिंस यादव 2/30, हर्षित राणा 2/40।

भारतः 76 (11.4 ओवर)

वैभव सूर्यवंशी 13, जोश टंग 4/28, जोफ्रा आर्चर 3/29, आदिल रशीद 2/14।

परिणामः इंग्लैंड 125 रन से विजयी, सीरीज में 2-0 से आगे।।

फीफा विश्व कपः पेनल्टी शूटआउट में कोलंबिया को हराकर स्विट्ज़रलैंड क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी

वैंकूवर। फीफा विश्व कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड ने रोमांचक मुकाबले में कोलंबिया को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर अंतिम आठ में जगह बना ली। निर्धारित 90 मिनट और अतिरिक्त 30 मिनट का खेल गोलरहित बराबरी पर समाप्त होने के बाद मुकाबले का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। पेनल्टी शूटआउट में स्विट्ज़रलैंड के गोलकीपर ग्रेगोर कोबेल ने कुचो हर्नांडेज़ की पेनल्टी रोककर टीम की जीत की नींव रखी। इससे पहले कोलंबिया के डेविंसन सांचेज़ की पेनल्टी क्रॉसबार से टकरा गई थी। स्विट्ज़रलैंड के मैनुएल अकांजी अपनी पेनल्टी चूक गए, लेकिन रुबेन वर्गास ने निर्णायक किक को गोल में बदलते हुए टीम को ऐतिहासिक जीत दिला दी। इस जीत के साथ स्विट्ज़रलैंड ने 1954 के बाद पहली बार विश्व कप के

क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अब उसका सामना गत चैंपियन अर्जेंटीना से होगा। वहीं, कोलंबिया का दूसरी बार विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने का सपना टूट गया। इससे पहले उसने 2014 विश्व कप में अंतिम आठ में जगह बनाई थी, लेकिन इस बार पेनल्टी शूटआउट में मिली हार के साथ उसका अभियान समाप्त हो गया।

भारत में पहली बार आईटीटीएफ लेवल-1 कोच शिक्षा कार्यक्रम शुरू, स्कूल प्रशिक्षकों को मिलेगा अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने ओमान के मस्कट में होने वाली पहली महिला यूथ हॉकी-5एस एशियाई चैंपियनशिप 2026 की तैयारियों के लिए 15 सदस्यीय सब जूनियर महिला समूह की घोषणा कर दी है। चयनित खिलाड़ी भोपाल के मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में 4 जुलाई से 18 जुलाई तक आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा ले रही हैं।यह शिविर भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान और सब जूनियर महिला टीम की मुख्य कोच रानी की निगरानी में चल रहा है। शिविर का उद्देश्य खिलाड़ियों को हॉकी-5 के तेज़ और अलग प्रारूप के अनुरूप तैयार करना है।हॉकी इंडिया के अनुसार भोपाल अब देश में हॉकी के प्रमुख उच्च प्रदर्शन केंद्र के रूप में उभर रहा है। इससे पहले भी यहां सब जूनियर राष्ट्रीय शिविर और अंडर-18 एशिया कप की तैयारियां कराई जा चुकी हैं। आधुनिक सुविधाओं से लैस मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी युवा खिलाड़ियों के विकास के लिए

उपयुक्त वातावरण उपलब्ध करा रही है। कोच रानी ने कहा कि महिला यूथ हॉकी-5 एशियाई चैंपियनशिप युवा खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव हासिल करने का शानदार अवसर है। उन्होंने कहा कि चूंकि सब जूनियर टीम पहली बार इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही है, इसलिए खिलाड़ियों को हॉकी-5 के प्रारूप की तकनीकी और सामरिक बारीकियों से परिचित कराने के साथ उनकी बुनियादी क्षमताओं को और मजबूत किया जाएगा। उन्होंने शिविर के सफल आयोजन में सहयोग के लिए मध्य प्रदेश सरकार का भी आभार व्यक्त किया। हॉकी इंडिया ने बताया कि यह प्रशिक्षण शिविर देश में मजबूत प्रतिभा विकास प्रणाली तैयार करने की दीर्घकालिक योजना का हिस्सा है।

इसी वर्ष अंडर-18 एशिया कप 2026 से पहले भी सब जूनियर खिलाड़ियों के लिए एक महीने का राष्ट्रीय शिविर आयोजित किया गया था, जिसमें भारतीय महिला टीम ने कांस्य पदक जीता था। संस्था का लक्ष्य युवा खिलाड़ियों को नियमित प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय अवसर देकर उन्हें भविष्य में जूनियर और सीनियर राष्ट्रीय टीमों के लिए तैयार करना है। रश्मीन कौर, रुबीना बक्सला, नैन्सी सरोहा, पुष्पा मांझी, खिली कुमारी, किरण एक्का, स्वीटी कुजूर, स्नेहा दावड़े, नौशीन नाज़, श्रुति कुमारी, नीलम टोपनो, प्रियंका मिंज, दिया, संदीपा कुमारी और महक परिहार।

अंडर-7 शतरंज चैम्पियनशिप में हर्लिव सिंह खुराना ने दिखाया दम

एजेंसी

मुरादाबाद। महाराष्ट्र शतरंज एसोसिएशन की ओर से 30 जून से 5 जुलाई तक नागपुर में आयोजित राष्ट्रीय अंडर-7 ओपन शतरंज चैम्पियनशिप में हर्लिव सिंह खुराना ने बेहतरीन प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया। जिला शतरंज स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद के अध्यक्ष चंद्रकांत सरन ने मंगलवार को बताया कि राष्ट्रीय अंडर-7 ओपन शतरंज चैम्पियनशिप में देशभर के 267 प्रतिभागियों के बीच हर्लिव ने नौ राउंड में पांच अंक अर्जित किए और प्रतियोगिता में 141 वां स्थान हासिल किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उन्हें प्रतियोगिता में टॉप 100 बोर्ड पर खेलने का अवसर मिला। इसके साथ ही आयोजकों ने उन्हें पदक देकर सम्मानित किया।

जिला शतरंज स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव प्रमोद बिष्ट, उपाध्यक्ष कवल प्रीत खुराना, उपसचिव वीरेंद्र सिंह मनराल ने हर्लिव को बधाई देते हुए

उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सीएल गुप्ता वर्ल्ड स्कूल की प्रधानाचार्या सविता सिंह, उप प्रधानाचार्या अदिति खोसला तथा पीटीआई ने भी छात्र की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता जताते हुए शुभकामनाएं दीं।

कोको गॉफ ने शानदार वापसी कर जेसिका पेगुला को हराया, पहली बार ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में पहुंचीं

एजेंसी

लंदन। अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने एक सेट से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए हमवतन जेसिका पेगुला को 4-6, 6-3, 6-3 से हराकर पहली बार विंबलडन के महिला एकल सेमीफाइनल में जगह बना ली। ऑल इंग्लैंड क्लब में खेले गए इस मुकाबले में गॉफ ने लगातार चौथी बार पेगुला को मात दी। मैच के पहले सेट में पेगुला ने अपने सटीक खेल से गॉफ पर दबाव बनाए रखा और 6-4 से बढ़त हासिल कर ली। लेकिन सातवीं वरीयता प्राप्त गॉफ ने दूसरे और तीसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह मैच एक घंटा 48 मिनट तक चला। 22 वर्षीय गॉफ के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी खास रही क्योंकि इस वर्ष के

विंबलडन से पहले वह लगातार दो वर्षों तक यहां एक भी मैच नहीं जीत सकी थीं। इस टूर्नामेंट में उन्होंने अब तक पांच मुकाबलों में चार बार तीन सेट तक चले मैच जीतकर अंतिम चार में प्रवेश किया है। जीत के बाद गॉफ ने कहा, दो साल तक घास के कोर्ट पर एक भी मैच नहीं जीतने के बाद यहां सेमीफाइनल में पहुंचना अविश्वसनीय है। आज मैंने जिस तरह खेला, उससे मैं बेहद खुश हूं। जेसिका शानदार खिलाड़ी हैं और उनके खिलाफ जीत हासिल करना हमेशा कठिन होता है। इस जीत के साथ गॉफ अपने करियर में चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों के सेमीफाइनल या उससे आगे पहुंचने वाली सक्रिय खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गई हैं।

वह इससे पहले 2023 यूएस ओपन और 2025 फ्रेंच ओपन का खिताब जीत चुकी हैं। दूसरी ओर, 32 वर्षीय जेसिका पेगुला पहली बार विंबलडन के सेंटर कोर्ट पर खेल रही थीं और सेमीफाइनल में जगह बनाने की उम्मीद कर रही थीं, लेकिन गॉफ ने दबाव में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए उनकी चुनौती समाप्त कर दी।

बालोगुन का निलंबन हटाने पर फीफा घिरा, ला लीगा अध्यक्ष बोले- यह बड़ी समस्या का छोटा हिस्सा

एजेंसी

मैड्रिड। स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा के अध्यक्ष जावियर तेबास ने अमेरिकी स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन पर लगाए गए एक मैच के विश्व कप प्रतिबंध को फीफा द्वारा वापस लेने के फैसले की तीखी आलोचना की। उन्होंने इसे विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला मामला बताते हुए कहा कि यह केवल बड़ी समस्या का एक छोटा हिस्सा है।अमेरिका और बोस्निया-हर्जेगोविना के बीच फीफा विश्व कप के राउंड ऑफ-32 मुकाबले में बालोगुन को वीएआर समीक्षा के बाद बोस्नियाई डिफेंडर तारिक मुहरेमोविच पर खतरनाक चुनौती के लिए सीधा लाल कार्ड दिखाया गया था। इसके चलते उन पर स्वतः एक मैच का निलंबन लगा था। हालांकि बाद में फीफा ने इस प्रतिबंध को एक वर्ष की परिवीक्षा अवधि के लिए स्थगित कर दिया, जिससे बालोगुन को बेल्जियम के खिलाफ प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में खेलने की अनुमति मिल गई। इसके बावजूद अमेरिका को 4-1 से हार का सामना करना पड़ा और उसकी विश्व कप यात्रा समाप्त हो गई।

जावियर तेबास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी बयान में कहा कि यह केवल एक अनुशासनात्मक फैसला नहीं, बल्कि फीफा की शासन प्रणाली की गहरी खामियों का उदाहरण है। उन्होंने कहा, बालोगुन पर लगे प्रतिबंध को हटाना कोई मामूली घटना या अलग-थलग गलती नहीं है। यह उस प्रशासनिक मॉडल का सिर्फ हिमखंड का सिरा है, जिसने वर्षों से फीफा और विश्व फुटबॉल की विश्वसनीयता को कमजोर किया है।

तेबास ने आरोप लगाया कि फीफा अक्सर अपनी सुविधा के अनुसार नियमों की व्याख्या या उनमें बदलाव करता है और राष्ट्रीय तथा घरेलू लीगों से वास्तविक संवाद किए बिना महत्वपूर्ण फैसले लेता है। उन्होंने कहा कि जब नियमों को मनमाने ढंग से लागू किया जाता है और बड़े निर्णय पहले से तय होते हैं, तो संस्थाओं पर से विश्वास उठ जाता है। ला लीगा अध्यक्ष ने फीफा कांग्रेस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि वहां वास्तविक बहस नहीं होती और अधिकांश फैसले मतदान से पहले ही तय कर लिए जाते हैं।

ग्रीन बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट में नेक्स्ट जनरेशन रेड 8 विकेट से जीती

एजेंसी

मुरादाबाद। ग्रीन बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट में नेक्स्ट जनरेशन रेड ने बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर एलीट इलेवन को आठ विकेट से हराकर एकतरफा जीत दर्ज की। अब्दुल समद की घातक गेंदबाजी के दम पर एलीट इलेवन की टीम 19.1 ओवर में 88 रन पर सिमट गई। जवाब में नेक्स्ट जनरेशन ने 11.1 ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। 5 विकेट चटकाने वाले अब्दुल समद को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि नेक्स्ट जनरेशन क्रिकेट एकेडमी ग्राउंड पर खेले गए टूर्नामेंट में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एलीट इलेवन की शुरुआत खराब रही। टीम की ओर से अमन ने सर्वाधिक 19 रन और माधव पाल ने 18 रन बनाए। आरव 10 रन बनाकर नाबाद लौटे। नेक्स्ट जनरेशन रेड की ओर से अब्दुल समद ने घातक गेंदबाजी करते हुए तीन ओवर में मात्र तीन रन देकर पांच विकेट झटके। अजहान खान, मोहम्मद रेयान, ध्रुव दुबे और अंशुमान ने एक-एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नेक्स्ट जेन रेड ने संयमित बल्लेबाजी की।

आईओए ने कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भारतीय दल को दी विदाई, आधिकारिक किट का हुआ अनावरण

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने ग्लासगो में 23 जुलाई से 2 अगस्त तक होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के लिए रवाना हो रहे भारतीय दल को भव्य विदाई दी। इस अवसर पर टीम इंडिया की आधिकारिक सेरेमोनियल और प्रतियोगिता किट का भी अनावरण किया गया। समारोह में केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष डॉ. पी.टी. ऊषा, भारत में ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरन, केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह, खेल विभाग के सचिव हरि रंजन राव, दल प्रमुख रोहित राजपाल, उप दल प्रमुख रवि बेंगानी, खिलाड़ी, कोच और विभिन्न कॉर्पोरेट साझेदार उपस्थित रहे।समारोह में केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने कहा कि हमारे खिलाड़ी नए भारत की खेल उत्कृष्टता, दृढ़ संकल्प और आकांक्षाओं के प्रतीक हैं। ग्लासगो के लिए रवाना हो रहे टीम इंडिया के प्रत्येक खिलाड़ी से मेरा आग्रह है कि वे निडर होकर खेलें, खेल भावना का सर्वोच्च उदाहरण प्रस्तुत करें और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दें। भारत सरकार हर खिलाड़ी के साथ मजबूती से खड़ी है और देश का गौरव बढ़ाने के लिए हर संभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष डॉ. पीटी ऊषा ने कहा, आज भारतीय खेल इतिहास का एक और गौरवशाली अध्याय शुरू हो रहा है। भारतीय जर्सी पहनने वाला हर खिलाड़ी वर्षों की मेहनत, अनुशासन और त्याग के बाद यहां तक पहुंचा है। जब टीम इंडिया ग्लासगो के लिए रवाना हो रही है, तब वह अपने साथ एक अरब भारतीयों की उम्मीदें और भारतीय खेल संस्कृति के मूल्यों को लेकर जा रही है। भारतीय ओलंपिक संघ की ओर से मैं पूरे दल को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। भारत में ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरन ने कहा, मुझे व्यक्तिगत रूप से टीम इंडिया को शुभकामनाएं देने का अवसर मिलने पर बेहद खुशी है। कॉमनवेल्थ गेम्स केवल खेल प्रतिभा का मंच नहीं हैं, बल्कि यह राष्ट्रों की एकता, विविधता और कॉमनवेल्थ की भावना का भी उत्सव है। खेल भारत और ब्रिटेन के लोगों को जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। हमें पता है कि भारत वर्ष 2030 में अहमदाबाद में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी की तैयारी कर रहा है। हम ब्रिटेन में भारतीय खिलाड़ियों का स्वागत करने और उनकी सफलता की कामना करते हैं। जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के संस्थापक पार्थ जिंदल ने कहा, 'रुकना नहीं है' केवल एक नारा नहीं, बल्कि भारतीय खेलों के प्रति जेएसडब्ल्यू की प्रतिबद्धता है। हम लगातार खिलाड़ियों के विकास के लिए काम कर रहे हैं और उनकी वैश्विक सफलता पर गर्व करते हैं। भारतीय ओलंपिक संघ के साथ हमारी साझेदारी देशभर की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के हमारे मिशन को और मजबूत करती है। यह जर्सी हमारे खिलाड़ियों का कवच है, जिसे खिलाड़ियों को केंद्र में रखकर डिजाइन किया गया है। मैं हर भारतीय से अपील करता हूं कि वह इस जर्सी को खरीदे, गर्व से पहने और कॉमनवेल्थ गेम्स में टीम इंडिया के साथ मजबूती से खड़ा रहे। समारोह के दौरान खिलाड़ियों ने नई आधिकारिक किट पहनकर रैंप वॉक किया। वर्तमान और पूर्व कॉमनवेल्थ पदक विजेताओं के साथ विशेष संवाद भी आयोजित किया गया। टीम इंडिया की आधिकारिक किट का डिजाइन प्रसिद्ध डिजाइनर आकिब वानी ने तैयार किया है, जबकि इसे जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स ने विकसित किया है। किट का डिजाइन 'अदृश्य गति-पथ' की अवधारणा पर आधारित है, जो खिलाड़ियों की गति, लय और उत्कृष्टता को दर्शाता है। भारतीय ओलंपिक संघ ने टीम इंडिया के अभियान में सहयोग देने वाले सभी कॉर्पोरेट साझेदारों का भी आभार व्यक्त किया। रिलायंस फाउंडेशन स्पोर्ट्स, यस बैंक, जेएसडब्ल्यू इंस्पायर, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और अडानी स्पोर्ट्सलाइन प्रमुख प्रायोजक हैं, जबकि अमूल सहयोगी प्रायोजक है।

ईसीएलजीएस 5.0 के तहत अब तक 4.11 लाख से ज्यादा गारंटी दी गयी : सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कहा कि आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) 5.0 के तहत अब तक 4.11 लाख से ज्यादा गारंटी जारी की जा चुकी हैं। इसके तहत गारंटी राशि 1.55 लाख करोड़ रुपये से अधिक पहुंच गई है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि ईसीएलजीएस 5.0 के शुरू होने के बाद से अब तक 4,11,479 गारंटी जारी की जा चुकी हैं। योजना के तहत जारी कुल राशि 1,55,229 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। ये इस बात का संकेत है कि लोन देने वाले सिस्टम में इस स्कीम को तेजी से अपनाया जा रहा है। मंत्रालय ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 5 मई 2026 को ईसीएलजीएस 5.0 को अपनी मंजूरी दी थी। इस योजना का उद्देश्य कारोबारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना और नकदी से जुड़ी चुनौतियों से निपटने में मदद करना है। यह योजना विशेष रूप से पश्चिम एशिया की भू-राजनीतिक स्थिति से प्रभावित कारोबारों को राहत देने के लिए तैयार की गई है। इसके जरिए वित्तीय संस्थानों को अतिरिक्त कर्ज देने में मदद मिल रही है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि इस योजना के तहत एमएसएमई को दिए जाने वाले अतिरिक्त कर्ज पर 100 फीसदी और अन्य व्यापारिक क्षेत्रों के लिए 90 फीसदी तक गारंटी कवर उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे बैंकों और वित्तीय संस्थानों को कारोबारों को कर्ज देने में आसानी हो रही है।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में आज सोना 100 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 110 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। चेन्नई में सोने के भाव में आज बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। यहां सोना के भाव 1,400 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,530 रुपये प्रति 10 ग्राम तक गिर गए हैं। चांदी की कीमत में भी आज 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। भाव में आई गिरावट के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,46,610 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,47,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,34,390 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,35,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,44,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,46,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,46,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

प्रौद्योगिकी आधारित द्विभाषी प्रबंधन शिक्षा ग्रामीण-शहरी अंतर पाटने में सक्षम : गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कि प्रौद्योगिकी पर आधारित द्विभाषी प्रबंधन शिक्षा में ग्रामीण और शहरी इलाकों के बीच की खाई को पाटने की क्षमता है। इससे प्रतिभाशाली छात्रों को, चाहे वे कहीं भी रहते हों या किसी भी पृष्ठभूमि से हों, अच्छी शिक्षा मिल सकेगी। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) उदयपुर में ऑनलाइन द्विभाषी बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए) प्रोग्राम का वर्चुअल उद्घाटन करते हुए यह बात कही। गोयल ने अपने संबोधन में इस पहल को टेक्नोलॉजी के ज़रिए उच्च-गुणवत्ता वाली मैनेजमेंट शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। गोयल ने कहा कि ऑनलाइन द्विभाषी बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए) प्रोग्राम एक अनोखी पहल है। उन्होंने कहा कि यह प्रोग्राम आसान और आसानी से समझ में आने वाली भाषा में मैनेजमेंट शिक्षा देकर व्यापक प्रभाव डाल सकता है। गोयल ने आगे कहा कि टेक्नोलॉजी पर आधारित द्विभाषी मैनेजमेंट शिक्षा ग्रामीण-शहरी अंतर को कम कर सकती है और अच्छी शिक्षा तक पहुंच बढ़ा सकती है।

ज्यादा क्षमता वाले वजन उपकरणों के सत्यापन के लिए कानूनी माप विज्ञान नियम में संशोधन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ज्यादा क्षमता वाले वजन करने वाले उपकरणों के सत्यापन के लिए 'कानूनी माप-विज्ञान' नियमों में संशोधन किया है। इससे अनुपालन का बोझ कम होता है, सत्यापन की लागत घटती है, जिससे 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' (व्यापार करने में आसानी) को बढ़ावा मिलता है। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने 'लीगल मेट्रोलॉजी (सामान्य) नियम, 2011' में संशोधन किया है। इसके तहत ज्यादा क्षमता वाले वज़न करने वाले उपकरणों के वेरिफिकेशन के लिए स्टैंडर्ड वजन की जरूरत को काफी कम करने के लिए एक वैज्ञानिक और 'रिपीटैबिलिटी' (दोहराने की क्षमता) पर आधारित वेरिफिकेशन का तरीका अपनाया गया है। पहले के नियमों के अनुसार एक टन या उससे ज़्यादा क्षमता वाले वज़न करने वाले उपकरणों की जांच करते समय, स्थिर भार से बदलने से पहले कम से कम एक टन या उपकरण की अधिकतम क्षमता का 50 फीसद (इनमें से जो भी ज्यादा हो) वजन वाले स्टैंडर्ड बाटों का इस्तेमाल करना जरूरी था।

रिलायंस एडीए ग्रुप महाघोटाला: सीबीआई ने RCFL मामले में दाखिल की पहली चार्जशीट

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रिलायंस एडीए (ADA) ग्रुप से जुड़े वित्तीय घोटालों में आज एक बड़ी कानूनी कार्रवाई की है। सीबीआई ने रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) मामले में मुंबई स्थित विशेष सीबीआई अदालत के समक्ष अपनी पहली चार्जशीट (आरोप पत्र) दाखिल कर दी है। यह आरोप पत्र दो रिलायंस ग्रुप कंपनियों और पांच पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों सहित कुल सात आरोपियों के खिलाफ आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी की धाराओं के तहत दर्ज किया गया है। सीबीआई द्वारा दाखिल की गई पहली चार्जशीट में कई आरोपियों को नामजद किया गया है। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (RHFL)। देवांग प्रवीण मोदी (पूर्व निदेशक एवं सीईओ), रवींद्र सोमायाजुला राव (पूर्व निदेशक), धनंजय भगवानप्रसाद तिवारी (पूर्व निदेशक), राजेश कृष्णमूर्ति (कार्यकारी जोखिम अधिकारी) और लव चतुर्वेदी (मुख्य जोखिम अधिकारी) हैं। सीबीआई की जांच में यह खुलासा हुआ है कि रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) द्वारा बैंकों से उधार लिए गए करोड़ों रुपए के फंड को बिचौलियों और मुखौटा (कंड्यूट) संस्थाओं के माध्यम से रिलायंस एडीए ग्रुप की विभिन्न कंपनियों में डायवर्ट (स्थानांतरित) किया गया था। यह कृत्य बैंकों से कर्ज लेने के लिए तय की गई शर्तों और नियमों का सीधे तौर पर उल्लंघन था, जिससे कर्ज देने वाले बैंकों को भारी नुकसान पहुंचाया गया और आरोपियों व उनसे जुड़ी संस्थाओं को नाजायज फायदा हुआ।

13 सरकारी बैंकों को लगा 4,097 करोड़ रुपये का चूना:

यह मामला बैंक ऑफ महाराष्ट्र और कंसोर्टियम (बैंकों के समूह) के अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से मिली शिकायतों के आधार पर दर्ज किया गया था। इस ऋण धोखाधड़ी के कारण कंसोर्टियम के 13 सरकारी बैंकों को कुल 4,097 करोड़ रुपये का भारी वित्तीय नुकसान हुआ है।

सीबीआई इस मामले में अब तक तीन हाई-प्रोफाइल आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जिनमें रिलायंस कैपिटल लिमिटेड के पूर्व वाइस चेयरमैन अमिताभ झुनझुनवाला, आरसीएफएल के पूर्व सीईओ देवांग प्रवीण मोदी और रिलायंस कैपिटल लिमिटेड के पूर्व सीएफओ (मुख्य वित्तीय अधिकारी) अमित बापना शामिल हैं। वर्तमान में अमिताभ झुनझुनवाला और देवांग मोदी न्यायिक हिरासत में हैं, जबकि अमित बापना सीबीआई की कस्टडी में हैं।

सीबीआई ने साफ किया है कि अन्य निदेशकों, संस्थाओं और सरकारी कर्मचारियों की भूमिका का पता लगाने के लिए आगे की जांच अभी खुली रखी गई है। आने वाले समय में इस मामले में सप्लीमेंट्री (पूरक) चार्जशीट भी दाखिल की जाएगी।

कोचीन शिपयार्ड की बिक्री पेशकश में संस्थागत निवेशकों के हिस्से को मिला पूर्ण अभिदान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) में 5.04 फीसदी तक हिस्सेदारी बेचने के लिए बिक्री पेशकश (ओएफएस) में संस्थागत निवेशकों के लिए आरक्षित हिस्से को अपेक्षा से अधिक अभिदान मिला। सीएसएल के 59.66 लाख से अधिक शेयर के आधार आकार की पेशकश के मुकाबले संस्थागत निवेशकों ने लगभग 74 लाख शेयर के लिए बोलियां लगाईं। इस तरह उनके लिए आरक्षित हिस्से को 1.23 गुना अभिदान मिला है। इसके लिए शेयर बाजार बंद होने तक बोली प्रक्रिया जारी रहेगी। वहीं, बोलियों का सांकेतिक मूल्य 1,401.85 रुपये प्रति शेयर रहा, जबकि न्यूनतम मूल्य 1,400 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।

कोचीन शिपयार्ड में 5.04 फीसदी हिस्सेदारी बेच रही सरकार

केंद्र सरकार दो दिन की बिक्री पेशकश (ओएफएस) के जरिये जहाज निर्माण कंपनी सीएसएल में 1.32 करोड़ से अधिक शेयर यानी 5.04 फीसदी तक अपनी हिस्सेदारी बेच रही है। इसमें 2.52 फीसदी शेयर बेचे जाएंगे, जबकि अधिक मांग आने की स्थिति में उतनी ही अतिरिक्त हिस्सेदारी 'ग्रीन-शू' विकल्प के तहत बेची जाएगी।

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के ओएफएस के लिए निर्धारित न्यूनतम मूल्य पर 5.04 फीसदी हिस्सेदारी की बिक्री से सरकारी खजाने को लगभग 1,800 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। खुदरा निवेशक 8 जुलाई को बिक्री पेशकश के लिए बोली लगा सकेंगे।

हेरिटेज फ्रेश पनीर सहित कई खाद्य संचालकों को एफएसएसएआई का नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। भ्रामक दावों को लेकर भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने हेरिटेज फ्रेस पनीर सहित कई खाद्य व्यवसाय संचालकों को नोटिस जारी कर सात दिनों में जवाब मांगा है। इनमें हेरिटेज फ्रेश पनीर के साथ ला कासा वीगन हेज़लनट चॉकलेट स्प्रेड, सिपजर न्यूट्रास्यूटिकल जूस कैप्सूल शामिल है। एफएसएसएआई ने इस सभी उत्पादों में भ्रामक दावों के संबंध में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों का उल्लंघन करने पर नोटिस जारी कर कहा कि अगर नियमों की अनदेखी की गई तो इनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

प्राधिकरण द्वारा जारी नोटिस में कहा गया हेरिटेज फ्रेश पनीर प्रोडक्ट पर फ्रेश पनीर (ताज़ा पनीर) का भ्रामक दावा किया गया। फ्रेश(ताज़ा) शब्द के इस्तेमाल के लिए शेड्यूल पांच में बताई गई शर्तों को पूरा नहीं करता है, इसलिए फ्रेश शब्द का इस्तेमाल ग्राहकों को गुमराह कर सकता है, इसे भ्रामक माना जाता है। इसके साथ हेल्दी शब्द के इस्तेमाल प्रोडक्ट को सेहत के लिए बेहतर बताता है, जिससे यह दावा भ्रामक हो जाता है। कंपनी को निर्देश दिया गया है कि वह 7 दिनों के भीतर स्पष्टीकरण दे कि नियमों के तहत उस पर कार्रवाई क्यों न की जाए। इसी के साथ सिपज़र न्यूट्रास्यूटिकल्स जूस कैप्सूल प्रोडक्ट पर किए गए भ्रामक दावों - जैसे एफएसएसएआई से मंजूर, इम्यून सिस्टम को मज़बूत करें, शरीर से टॉक्सिन्स निकालें और ऑर्गेनिक सब्ज़ियों से बना - के संबंध में नोटिस जारी किया गया है। यह दावा भ्रामक और धोखा देने वाला है। इसके समर्थन में कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं दिया गया है। पैक के सामने टमाटर, खीरा, ब्रोकली, पत्तागोभी और धनिया की तस्वीरें दिखाई गई हैं, जबकि ये चीज़ें प्रोडक्ट की सामग्री के तौर पर नहीं बताई गई हैं। प्रोडक्ट के लेबल पर विटामिन सी और विटामिन ई होने की बात कही गई है, जबकि इसमें विटामिन सी की मात्रा सिर्फ़ 0.1 प्रतिशत है। कंपनी को निर्देश दिया गया है कि वह 7 दिनों के भीतर स्पष्टीकरण दे।

शेयर बाजार में चार दिन तेजी पर लगा ब्रेक, गिरावट के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले चार कारोबारी दिन से जारी तेजी के सिलसिले पर आज ब्रेक लग गया। दिन भर उतार चढ़ाव का सामना करने के बाद शेयर बाजार आज गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। दिन के कारोबार में खरीदारी के सपोर्ट से बाजार की मजबूती और बढ़ी, लेकिन आखिरी आधे घंटे के कारोबार में चौतरफा मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण बाजार की चाल टूट गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स और निफ्टी 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान ज्यादातर सेक्टोरल इंडेक्स दबाव में कारोबार करते रहे। रियल्टी, मेटल और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में आज सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह फार्मास्यूटिकल, मीडिया, बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, आईटी सेक्टर के शेयरों में आज जम कर खरीदारी होती रही। इस खरीदारी के कारण निफ्टी का आईटी इंडेक्स

2.43 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ।इसी तरह कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी हरे निशान में बंद होने में सफल रहे। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 1.40 लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 480.11 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 481.50 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.39 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,397 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,599 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,633 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 165 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए।

शिवराज चौहान ने लॉन्च किया 'प्रगति' प्रोजेक्ट, बोले- विकसित भारत बिना कृषि और समृद्ध गांव संभव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 'प्रगति' नामक एक राष्ट्रीय पहल का शुभारंभ किया। इसका उद्देश्य 20 हजार ग्रामीण युवाओं को कृषि-उद्यमी बनाकर देशभर के 20 लाख छोटे और सीमांत किसानों की आय, उत्पादकता और आजीविका में व्यापक सुधार लाना है। यह बहु-साझेदार पहल भारत में समावेशी, टिकाऊ और जलवायु-संवेदनशील कृषि परिवर्तन की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि विकसित भारत का सपना विकसित कृषि और समृद्ध गांवों के बिना संभव नहीं है। सरकार का फोकस केवल उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि लागत घटाकर किसानों की आय बढ़ाना, फसल विविधीकरण को बढ़ावा देना और कृषि को लाभकारी बनाना है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि छोटे जोत वाले किसानों के लिए पारंपरिक खेती पर्याप्त नहीं है, इसलिए वैल्यू एडिशन, प्रोसेसिंग और कृषि

आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देना जरूरी है। उन्होंने बताया कि 'प्रगति' इसी सोच का विस्तार है जो किसानों को तकनीक, मशीनीकरण, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और बाजार से जोड़कर उनकी वास्तविक आय बढ़ाने का रास्ता तैयार करेगा।

यह पहल देश के प्रमुख कृषि राज्यों- मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, असम और झारखंड में लागू की जाएगी। कार्यक्रम के तहत तैयार किए जाने वाले कृषि-उद्यमी गांव स्तर पर सलाह, मिट्टी परीक्षण, मशीन सेवाएं, वित्तीय लिंक, बाजार कनेक्ट और वैकल्पिक आय के अवसर उपलब्ध कराएंगे। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि केवल खेती करने से काम नहीं चलेगा, हमें वैल्यू एडिशन और विविधीकरण की ओर बढ़ना होगा- बागवानी, पशुपालन, मत्स्य पालन और मधुमक्खी पालन जैसे क्षेत्रों से किसानों की आय में गुणात्मक वृद्धि संभव है। उन्होंने तकनीक के उपयोग, ड्रोन, डिजिटल सलाह और वैज्ञानिक खेती को भविष्य का आधार बताया।

कार्यक्रम में महिला भागीदारी को विशेष महत्व देते हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि बड़ी संख्या में 'कृषि सखी' और महिला उद्यमी इस बदलाव की धुरी बनेंगी और एक-एक उद्यमी पूरे गांव की तस्वीर बदल सकता है। 'प्रगति' केवल एक योजना नहीं, बल्कि परिवर्तन का संकल्प है। यह गांवों को आत्मनिर्भर, रोजगारयुक्त और सशक्त बनाने का माध्यम बनेगी। उन्होंने कहा कि राज्यवार कृषि रोडमैप और वैज्ञानिक आधार पर फसल योजना के जरिए सरकार कृषि क्षेत्र में व्यापक बदलाव की दिशा में काम कर रही है।

स्विगी में विदेशी निवेश घटकर 50 फीसदी के नीचे आया

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑनलाइन खाद्य आपूर्ति और त्वरित आपूर्ति की अग्रणी कंपनी स्विगी में विदेशी निवेश घटकर कुल चुकता इक्विटी शेयर पूंजी के 50 फीसदी से नीचे 49.76 फीसदी पर आ गया है।कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में बताया कि स्विगी में कुल विदेशी निवेश 6 जुलाई, 2026 तक घटकर 49.76 फीसदी रह गया है, जिसके परिणामस्वरूप घरेलू स्वामित्व बढ़कर 50.24 फीसदी हो गया है।

स्विगी में हुए कुल विदेशी निवेश में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई), प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और अन्य अप्रत्यक्ष विदेशी निवेश शामिल हैं। स्विगी की हिस्सेदारी अनुपात में आया बदलाव ऐसे समय में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जब कंपनी 'भारतीय स्वामित्व और नियंत्रण वाली फर्म' (आईओसीसी) का दर्जा हासिल करने की कोशिश कर रही है। हालांकि, कंपनी ने यह साफ किया है कि सिर्फ शेयर होल्डिंग 50 फीसदी पार होने से कंपनी का मालिकाना या नियंत्रण अपने आप नहीं बदल जाता। कंपनी ने स्पष्ट किया कि विदेशी हिस्सेदारी में आई गिरावट से उसके स्वामित्व या नियंत्रण की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। स्विगी ने कहा कि इसका कंपनी की शेयर पूंजी, प्रबंधन, कारोबार संचालन, मतदान अधिकार या इक्विटी शेयरों से जुड़े अधिकारों पर भी कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। स्विगी ने नियामकीय सूचना में कहा, 'इस संबंध में कोई भी महत्वपूर्ण घटनाक्रम लागू कानून के अनुरूप सार्वजनिक किया जाएगा।' आईओसीसी का दर्जा मिलने पर स्विगी की त्वरित आपूर्ति इकाई 'इंस्टामार्ट' को सीधे तौर पर स्टॉक रखने की अनुमति मिल सकती है, जिससे मार्जिन में सुधार और आपूर्ति श्रृंखला पर बेहतर नियंत्रण संभव होगा।

सेवा उत्पादन सूचकांक को 60 दिन के अंतराल पर जारी करने की सिफारिश

एजेंसी

नई दिल्ली। विशेषज्ञों की एक समिति ने क्षेत्रवार सूचकांक हर महीने तैयार करने और सेवा उत्पादन सूचकांक को संदर्भ महीने के 60 दिन के भीतर जारी करने की सिफारिश की है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि सांख्यिकी मंत्रालय ने मई 2025 में नीति आयोग की विशिष्ट फेलो देबजानी घोष की अध्यक्षता में सेवा उत्पादन सूचकांक (आईएसपी) पर एक तकनीकी परामर्श समिति बनाई थी। इसमें शिक्षा और उद्योग संगठन के प्रतिनिधियों के अलावा, उत्पादन सूचकांक पर तकनीकी परामर्श में सेवा क्षेत्र से संबंधित मंत्रालयों/विभागों के सदस्य भी शामिल हैं। यह रिपोर्ट 2024-25 को आधार वर्ष मानते हुए, 2-अंकीय एनआईसी 2025 स्तर पर संकलन और सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) भार का उपयोग करके एकत्रीकरण के लिए लास्पेयर्स वॉल्यूम इंडेक्स की अनुशंसा करती है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने कहा कि लंबी चर्चा और बातचीत के बाद सेवा उत्पादन सूचकांक (आईएसपी) पर एक तकनीकी परामर्श समिति (टीएसी-आईएसपी) की रिपोर्ट को अंतिम रूप दे दिया गया है। पिछले एक साल में समिति ने आईएसपी तैयार करने की धारणा, तौर-तरीकों और परिचालन पहलुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। सलाह-मशविरे की प्रक्रिया के तहत 27 अप्रैल 2026 को आईएसपी तैयार करने के तरीके पर एक दृष्टिकोण पत्र सार्वजनिक किया गया था, जिसमें संबंधित पक्षों से राय और सुझाव मांगे गए थे। मंत्रालय ने बताया कि यह रिपोर्ट अर्थव्यवस्था के संगठित क्षेत्र के लिए मासिक आईएसपी तैयार करने को लेकर एक व्यापक रूपरेखा प्रदान करती है। रिपोर्ट में कहा गया कि इसका मकसद उपयोगकर्ताओं को 14 जुलाई 2026 को (परीक्षण) आईएसपी श्रृंखला जारी होने से पहले प्रस्तावित आईएसपी रूपरेखा को बेहतर ढंग से समझने और अपनाने में मदद करना है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने कहा कि आईएसपी, औद्योगिक उत्पादन का पूरक होगा और पहली बार भारत की अर्थव्यवस्था के संगठित क्षेत्र में कम समय के बदलावों का मासिक आधार पर जानकारी देगा। हालांकि इसमें कहा गया है जीएसटी व्यापार, खाद्य सेवाएं, दूरसंचार, पेशेवर सेवाएं आदि जैसी बाजार-आधारित सेवाओं को बड़े पैमाने पर कवर करता है, लेकिन स्वास्थ्य और शिक्षा, रेलवे का एक बड़ा हिस्सा, स्वास्थ्य बीमा, जरूरी सामान का परिवहन आदि जैसी कुछ सेवाएं जिसे माल एवं सेवा कर से छूट प्राप्त हैं।

Government of India
Ministry of Statistics and Programme Implementation

झारखंड का 2 मीट्रिक टन आम्रपाली आम पहुंचा दुबई, किसानों की बढ़ी आमदनी

एजेंसी

नई दिल्ली। झारखंड के आकांक्षी जिले गुमला और आकांक्षी ब्लॉक देवघर से दुबई के लिए 2 मीट्रिक टन आम्रपाली आम का व्यावसायिक निर्यात किया गया है। इन आमों को राज्य की जनजातीय और महिला किसानों के समूह ने उपजाया है। ये आम गुमला और देवघर जिलों की महिला संचालित तीन किसान उत्पादक कंपनियों से खरीदे गए हैं। इस पहल से किसानों को स्थानीय बाजार की तुलना में लगभग 180 फीसदी अधिक मूल्य मिला है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने झारखंड से दो मीट्रिक टन आम्रपाली आम का व्यावसायिक निर्यात दुबई के लिए कराया है। आम की इस खेप का निर्यात मेसर्स फेयर एक्सपोर्ट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड ने दुबई में लुलु स्टोर्स में खुदरा बिक्री के लिए किया। मंत्रालय ने बताया कि ये आम गुमला और देवघर जिलों की महिला संचालित तीन किसान उत्पादक कंपनियों से खरीदे गए हैं। इन कंपनियों का विकास बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि यह निर्यात आदिवासी और महिला किसानों को अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 'एक्स' पर लिखा कि मोदी सरकार के प्रयासों से लगातार स्थानीय कृषि उत्पाद अब विदेशों में अपनी पहचान स्थापित करते जा रहे हैं।

गोयल ने आगे कहा कि एपीडा के सहयोग से जनजातीय महिला किसानों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से झारखंड स्थित गुमला तथा देवघर जैसे आकांक्षी जिलों और ब्लॉकों के आम्रपाली आम अब दुबई के बाजारों में अपने स्वाद से अलग पहचान बना रहे हैं। यह पहल झारखंड के बागवानी क्षेत्र की बढ़ती निर्यात क्षमता को उजागर करती है और क्षमता निर्माण, बाजार संपर्कों और निर्यात सुविधा के माध्यम से महिला-नेतृत्व वाले किसान संघों को मजबूत करने के लिए एपीईडीए के निरंतर प्रयासों को दर्शाती है।

आस्था स्पिनटेक्स ने निवेशकों को किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद मामूली बढ़त के साथ बंद हुए शेयर

एजेंसी

नई दिल्ली। कॉटन यार्न का प्रोडक्शन करने वाली कंपनी आस्था स्पिनटेक्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 136 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 4.41 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 130 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद इस शेयर की चाल में लगातार उतार चढ़ाव होता रहा। लिवाली का सपोर्ट मिलने पर कुछ देर के लिए ये शेयर उछल कर 136.50 के अपर सर्किट लेवल तक भी पहुंचा। हालांकि बाद में बिकवाली शुरू हो जाने पर इसका अपर सर्किट ब्रेक हो गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद आस्था स्पिनटेक्स के शेयर 136.49 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह डिस्काउंट लिस्टिंग होने के बावजूद पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 49 पैसे यानी 0.36 प्रतिशत के मामूली मुनाफे में रहे। आस्था स्पिनटेक्स का 170 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 जून से एक जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 5.05 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 3.59 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

स्टॉक मार्केट में क्रैटिकल टेक की जोरदार शुरुआत, लोअर सर्किट के बावजूद मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। साइबर सिक्योरिटी के फील्ड में काम करने वाली कंपनी क्रैटिकल टेक लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने जोरदार मजबूती के साथ एंट्र कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 135 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 42.22 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 192 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 199 रुपये के स्तर तक पहुंचे। वहीं मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली का दबाव बनने पर ये गिर कर 182.40 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक भी आ गए। दिनभर के कारोबार में ये शेयर कई बार लोअर सर्किट तक पहंचे। हालांकि हर बार लिवाली का सपोर्ट मिलने पर लोअर सर्किट ब्रेक होता रहा। अंत में शाम तीन बजे के करीब ये शेयर एक बार फिर लोअर सर्किट तक पहुंचे और उसी स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में लोअर सर्किट लगने के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 47.40 रुपये यानी 35.11 प्रतिशत के फायदे में रहे। कंपनी का 39.69 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 जून से दो जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 200.71 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 145.82 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 324.64 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 218.48 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 29.40 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। क्रैटिकल टेक लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 3.20 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 3.81 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 6.14 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 13.28 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 21.15 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 36.86 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था।

इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में कमी आई। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर तीन लाख रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर एक लाख रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक भी कंपनी पर सिर्फ एक लाख रुपये के कर्ज का ही बोझ था। इस दौरान कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 6.56 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 11.13 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का नेटवर्थ 24.02 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें तो इस अवधि में कंपनी इस मोर्चे पर भी बढ़त हासिल करने में सफल रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 6.53 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 11.10 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 15.86 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया था।इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 2023-24 में 3.87 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 5.51 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में ईबीआईटीडीए 9.08 करोड़ रुपये के स्तर पर था।

नाटो शिखर सम्मेलन में ट्रंप ने एकजुटता पर उठाए सवाल, बोले- जरूरत पड़ने पर किसी ने साथ नहीं दिया

एजेंसी

अंकारा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आरोप लगाया कि उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के कई सहयोगी देशों ने ईरान में अमेरिका के सैन्य अभियान के दौरान साथ देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि नाटो में जिम्मेदारियों का बोझ बराबर नहीं बंटता। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठक से पहले, अंकारा में होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने कई दशकों तक अपने सहयोगी देशों की सुरक्षा के लिए भारी निवेश किया है, लेकिन इसके बावजूद कई यूरोपीय देशों के रवैये से उन्हें निराशा हुई। नाटो और यूरोप में अमेरिकी सैनिकों की संख्या कम किए जाने की संभावना पर पूछे गए सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा, 'देखते हैं। मैं नाटो से बहुत निराश हुआ।' उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो

अगर यह सम्मेलन तुर्की में नहीं होता, जहां मेरे दोस्त एक मजबूत और प्रभावशाली नेता हैं, तो हो सकता है कि मैं यहां आता ही नहीं। ट्रंप ने कहा कि ईरान में हुए सैन्य अभियान के दौरान अमेरिका को अपने सहयोगी देशों से लगभग कोई मदद नहीं मिली। हमारे साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया गया, क्योंकि हमने ईरान में कार्रवाई की। हमें किसी की मदद की जरूरत नहीं थी। मैंने तो उनसे मदद मांगी भी नहीं थी, लेकिन उससे पहले ही उन्होंने कह दिया कि वे हमारे साथ नहीं होंगे। ट्रंप का कहना था कि अमेरिका ने यूरोपीय देशों, कनाडा और दूसरे सहयोगी देशों की सुरक्षा के लिए नाटो पर खरबों डॉलर खर्च किए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब जरूरत पड़ी तो वही देश अमेरिका की मदद के लिए आगे क्यों नहीं आए। ट्रंप ने खास तौर पर यूनाइटेड किंगडम (ब्रिटेन) का जिक्र करते हुए कहा कि वहां से भी अमेरिका को उम्मीद के मुताबिक समर्थन नहीं मिला। इस घटना से उनके मन में लंबे समय से उठ रहे सवाल और मजबूत हो गए कि अगर कभी अमेरिका किसी सैन्य संकट में फंस जाए तो क्या नाटो के सहयोगी देश वास्तव में उसके साथ खड़े होंगे? उन्होंने कहा मैं हमेशा से कहता आया हूं कि हम उनकी मदद करते हैं, लेकिन मुझे भरोसा नहीं था कि वे हमारी मदद करेंगे। इटली ने मना कर दिया, जर्मनी ने मना कर दिया और फ्रांस ने भी मना कर दिया। कोई बात नहीं, लेकिन फिर सवाल यह है कि हम उन पर सैकड़ों अरब डॉलर क्यों खर्च कर रहे हैं, जबकि जरूरत पड़ने पर वे हमारे साथ नहीं हैं? हम हमेशा उनके साथ खड़े रहे हैं। हालांकि, आलोचना के बावजूद ट्रंप ने नाटो में तुर्की की भूमिका की तारीफ की।

प्रिंस हैरी को अदालत में झटका, डेली मेल के प्रकाशक के खिलाफ अवैध जासूसी का मुकदमा खारिज

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन के प्रिंस हैरी और छह अन्य चर्चित हस्तियों को उस समय बड़ा कानूनी झटका लगा, जब ब्रिटेन के हाई कोर्ट ने डेली मेल के प्रकाशक एसोसिएटेड न्यूजपेपर्स लिमिटेड (एएनएल) के खिलाफ अवैध तरीके से जानकारी जुटाने के आरोपों से जुड़ा उनका मुकदमा खारिज कर दिया। हाई कोर्ट के न्यायाधीश मैथ्यू निकलिन ने अपने फैसले में कहा कि आरोप गंभीर अवश्य हैं, लेकिन केवल संदेह के आधार पर किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा कि वादियों को यह साबित करना था कि डेली मेल में प्रकाशित खबरों के लिए इस्तेमाल की गई जानकारी अवैध तरीकों से प्राप्त की गई थी, जो वे साबित नहीं कर सके। न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि किसी जानकारी का निजी होना या प्रकाशक द्वारा उसके स्रोत की स्पष्ट व्याख्या न कर पाना, अपने-आप यह साबित नहीं करता कि वह जानकारी अवैध तरीके से हासिल की गई थी। प्रिंस हैरी ने अन्य हस्तियों के साथ आरोप लगाया था कि वर्ष 1993 से 2011 के बीच डेली मेल समूह के प्रकाशनों ने निजी जासूसों की मदद से वॉयसमेल हैकिंग, फोन टैपिंग और धोखाधड़ी के जरिए निजी रिकॉर्ड हासिल करने जैसी गैरकानूनी गतिविधियां अपनाईं। इस मामले में प्रिंस हैरी के अलावा मशहूर गायक एल्टन जॉन, उनके पति डेविड फर्निश, अभिनेत्री एलिजाबेथ हर्ले, सामाजिक कार्यकर्ता डोरीन लॉरेंस, अभिनेत्री सैडी फ्रॉस्ट और पूर्व सांसद साइमन ह्यूजेस भी वादी थे।

इजरायल और लेबनान के बीच छठे दौर की बातचीत रोम में, अगले हफ्ते होगी बैठक

जेरूसलम। इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने कहा कि इजरायल और लेबनान के बीच बातचीत का अगला दौर अगले हफ्ते इटली के रोम में होने की उम्मीद है। यह बैठक दोनों देशों के बीच बातचीत का छठा दौर होगा। इससे पहले अप्रैल से वॉशिंगटन में राजदूत स्तर की पांच बैठकें हो चुकी हैं। न्यूज एजेंसी के अनुसार, उन्होंने बातचीत की सही तारीख नहीं बताई। हालांकि, कई इजरायली मीडिया रिपोर्टों में अमेरिका में इजरायल के राजदूत येचिएल लेटर के हवाले से कहा गया है कि बातचीत अगले मंगलवार से रोम में शुरू होने की उम्मीद है। येरुशलम में जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल के साथ हुई बैठक में सार ने कहा कि इजरायल अपने पड़ोसी देशों के साथ शांति चाहता है, लेकिन कोई भी समझौता 'सुरक्षा' को ध्यान में रखकर ही होना चाहिए। जून के आखिर में हुई पिछली बातचीत एक शुरुआती समझौते के ढांचे पर खत्म हुई थी। इसमें दक्षिणी लेबनान के दो इलाकों से इजरायली सैनिकों की वापसी की बात शामिल थी। इन इलाकों में इजरायली सेना अभी भी हिज्बुल्लाह के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। इस बीच, इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी ने रोम को इजरायल और लेबनान के बीच अमेरिका की मदद से होने वाली अगली सीधी शांति वार्ता के लिए चुने जाने का स्वागत किया है।

नेपाल-कंबोडिया मानव तस्करी और साइबर अपराध के खिलाफ बढ़ाएंगे सहयोग

काठमांडू। नेपाल और कंबोडिया मानव तस्करी, साइबर अपराध और ऑनलाइन धोखाधड़ी (स्कैम) अभियानों के खिलाफ आपसी सहयोग को और मजबूत करने पर सहमत हुए हैं। दोनों पक्षों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपने दीर्घकालिक द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराया है। कंबोडिया के फ्नोम पेन्ह में एक उच्च स्तरीय द्विपक्षीय बैठक के दौरान नेपाल के राजदूत धन बहादुर ओली ने कंबोडिया के विदेश मंत्रालय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग मंत्रालय की स्थायी राज्य सचिव ईट सोफिया से मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्षों ने सीमा पार संगठित अपराध से निपटने, खुफिया व सूचनाओं के आदान-प्रदान को मजबूत करने और संस्थागत क्षमता के निर्माण के लिए संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। नेपाली दूतावास के अनुसार राजदूत ओली ने कंबोडिया में चल रहे ऑनलाइन स्कैम सेंटरों से नेपाली नागरिकों को सुरक्षित निकालने में सहयोग के लिए कंबोडिया की शाही सरकार को धन्यवाद दिया। बैठक में सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग के विस्तार पर भी चर्चा की गई।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने की पीएम मोदी की तारीफ, बोले- मैंने उनकी कई नीतियां कॉपी की हैं

जकार्ता। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की तेज तरक्की की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री मोदी के बहुत बड़े प्रशंसक हैं और पिछले कई वर्षों से उनकी नीतियों को ध्यान से देखते और समझते रहे हैं। जकार्ता में प्रधानमंत्री मोदी के साथ भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति प्रबोवो ने भारत और भारतीय संस्कृति के प्रति अपना गहरा लगाव भी जताया। उन्होंने कहा, 'भारत की अपनी राजकीय यात्रा से ठीक पहले मैंने डीएनए की जीनोम सीक्वेंसिंग जांच कराई थी। उसमें पता चला कि मेरे डीएनए में भारतीय मूल भी है। यह बिल्कुल सच है। शायद इसी वजह से जब भी मैं कोई संगीत सुनता हूं, खासकर भारतीय संगीत, तो मेरा शरीर अपने आप थिरकने लगता है।' उनकी इस बात पर वहां मौजूद लोगों ने जोरदार तालियां बजाईं। इसके बाद राष्ट्रपति प्रबोवो ने मजाकिया अंदाज में कहा कि उन्हें लगता है कि उनकी कैबिनेट के ज्यादातर मंत्रियों के डीएनए में भी भारतीय मूल होगा। उन्होंने कहा, 'आज हमारे राष्ट्रपति भवन में राजकीय भोज था। ऐसे कार्यक्रम आम तौर पर बहुत औपचारिक होते हैं, लेकिन मैं खुद को रोक नहीं पाया।

होर्मुज जलडमरूमध्य के पास कतर के तेल टैंकर पर हमला, ईरान को ठहराया जिम्मेदार

एजेंसी

दोहा। होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट कतर के एक तेल टैंकर पर हुए हमले के बाद क्षेत्र में तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। कतर ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए ईरान को इसके लिए पूर्ण रूप से कानूनी रूप से जिम्मेदार ठहराया है। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल-अंसारी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी बयान में कहा कि यह हमला अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि इस घटना से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला और अंतरराष्ट्रीय समुद्री नौवहन की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। कतर ने ईरान से क्षेत्रीय सुरक्षा को कमजोर करने और अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों को खतरे में डालने वाली सभी गतिविधियां तत्काल बंद करने की मांग की है।

इस बीच, ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी ने दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में कतर के तेल टैंकर अल-रकायत को निशाना बनाया गया। ईरान का कहना है कि व्यावसायिक जहाज उसके निर्धारित समुद्री मार्गों का पालन नहीं कर रहे हैं और ऐसी स्थिति में उनकी सुरक्षा की गारंटी देना संभव नहीं है। ईरानी अधिकारियों ने यह भी कहा कि होर्मुज क्षेत्र की स्थिति अभी अमेरिकी हमलों से पहले जैसी सामान्य नहीं हुई है। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने भी पुष्टि की है कि ओमान के तट के निकट होर्मुज जलडमरूमध्य में एक अन्य जहाज पर भी हमला हुआ। संस्था के अनुसार पहले एक तेल टैंकर पर प्रोजेक्टाइल से हमला कर उसमें आग लगा दी गई और कुछ घंटों बाद दूसरे जहाज को भी निशाना बनाया गया। यूकेएमटीओ के मुताबिक दूसरे जहाज के ढांचे को नुकसान पहुंचा है, हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

अच्छी इंसान होकर भी मेलोनी ने गलती की, खराब हो गए रिश्ते : डोनाल्ड ट्रंप

एजेंसी

अंकारा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने ईरान से जुड़े सैन्य अभियान में अमेरिका का साथ न देकर 'गलती' की। इस फैसले की वजह से दोनों देशों के रिश्तों में खटास आ गई। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) शिखर सम्मेलन से पहले अंकारा में तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के साथ बैठक से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट और ईरान से जुड़े मामले में इटली के सहयोग से इनकार करने के बाद मेलोनी के साथ उनके रिश्ते 'थोड़े खराब हो गए।' जब ट्रंप से सोशल मीडिया पर मेलोनी को लेकर की गई एक हालिया पोस्ट के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि वह अच्छी इंसान हैं।' उन्होंने कहा, 'पहले हमारे रिश्ते अच्छे थे, लेकिन फिर थोड़े खराब हो गए क्योंकि उन्होंने हमारी मदद करने से मना कर दिया। मैंने उन पर ज्यादा दबाव नहीं डाला था, लेकिन उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट के मामले में या कहें कि ईरान के मुद्दे पर, शामिल होने से इनकार

कर दिया।' ट्रंप ने कहा कि इटली के इस फैसले का असर उनके रिश्तों पर पड़ा, हालांकि उन्होंने मेलोनी की तारीफ भी की। उन्होंने कहा, 'इससे मेरे और उनके रिश्ते में थोड़ी खटास आ गई। लेकिन, मैं उन्हें पसंद करता हूं। मुझे लगता है कि वह अच्छी इंसान हैं, लेकिन उन्होंने गलती की।' राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि यूरोपीय देशों का होर्मुज स्ट्रेट में स्थिरता बनाए रखने में सीधा हित है क्योंकि वे मध्य पूर्व से आने वाले तेल पर काफी हद तक निर्भर हैं। उन्होंने कहा, 'उन्हें अपना बहुत सारा तेल वहीं से मिलता है। हमें वहां से तेल की जरूरत नहीं है। अमेरिका के पास बहुत ज्यादा तेल है, बल्कि दुनिया में सबसे ज्यादा तेल हमारे पास है।' उन्होंने आगे कहा, 'हमें उस जलडमरूमध्य की जरूरत नहीं है। हम यह इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हमें लगता है कि यह जरूरी है। लेकिन, उन्होंने हमारा साथ नहीं दिया और मैं इससे खुश नहीं था।' इसी बातचीत के दौरान ट्रंप ने नाटो के कई सहयोगी देशों की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, ''ईरान से जुड़े अभियान के दौरान कई देशों ने अमेरिका का साथ नहीं दिया, जबकि अमेरिका लंबे समय से यूरोप की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहा है।''

ईरान के कई शहरों में विस्फोट, अमेरिकी हमले के बाद राष्ट्रपति पेजेश्कियान इराक से स्वदेश रवाना, नजफ में है खामेनेई का पार्थिव शरीर

एजेंसी

तेहरान (ईरान)। ईरान के कई शहरों में शक्तिशाली विस्फोट हुए हैं। इराक के नजफ में मौजूद ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान अमेरिकी हमले की सूचना पाकर स्वदेश रवाना हो गए हैं। ईरान का शीर्ष नेतृत्व इस समय अपने नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के समारोह की रस्मों में व्यस्त है। खामेनेई का पार्थिव शरीर नजफ में है। इसके बाद इराक के कर्बला में श्रद्धांजलि सभा होनी है। ईरान के मशहद में गुरुवार को उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। ईरान के सरकारी ब्रॉडकास्टर आईआरआईबी की एक्स पोस्ट और अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान इराक से तेहरान लौट रहे हैं। राष्ट्रपति ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम संस्कार की रस्म में शामिल होने के लिए नजफ गए थे। खामेनेई का पार्थिव शरीर नजफ पहुंचा। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरना के अनुसार, राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने इराक का अपना दौरा पूरा करने के बाद बुधवार तड़के (स्थानीय समय) नजफ छोड़ दिया।

पेजेश्कियान की वापसी शोक में डूबे देश में अमेरिकी हमलों के बीच हो रही है। अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले कमर्शियल जहाजों पर ईरान के हमलों के जवाब में कैसे हमले किए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने एक्स पोस्ट पर इसकी पुष्टि की। सेंटकॉम ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय जलमार्ग में कमर्शियल जहाजों पर हमला करने के लिए ईरान को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। ईरान ने कथित रूप से होर्मुज से गुजर रहे तीन कमर्शियल जहाजों पर हमला किया। कमांड ने कहा कि ईरान की यह आक्रामकता संघर्ष विराम का स्पष्ट उल्लंघन है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिणी ईरान में सिरिक और केशम के पास कई धमाके सुने गए। बंदर अब्बास के पूर्व और पश्चिम में भी धमाके हुए हैं। ईरानी मीडिया के अनुसार, सिरिक बंदरगाह पर प्रोजेक्टाइल (मिसाइल या रॉकेट) कमर्शियल और फिशिंग पियर्स (जहाज घाटों) से टकराए। इससे पहले अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने ईरान को जून में जारी लाइसेंस को रद्द कर दिया। अमेरिका ने यह लाइसेंस जारी कर ईरान को 21 अगस्त तक कच्चे तेल और संबंधित उत्पादों के उत्पादन, बिक्री और डिलीवरी की अस्थायी अनुमति दी थी। इस कदम से संघर्ष के अंतिम समाधान पर चल रही बातचीत के बीच तेहरान पर दबाव बढ़ गया है। ईरान के पोर्ट शहर सिरिक, बंदर अब्बास और केशम आईलैंड्स में भी धमाकों की आवाज सुनी गई है। ईरान ने कहा कि अमेरिका ने लाइसेंस रद्द कर एमओयू का उल्लंघन किया है।

होर्मुज स्ट्रेट में तीन टैंकरों पर हमले, सऊदी और कतर के जहाजों को नुकसान

एजेंसी

लंदन। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने बताया कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले तेल टैंकरों पर तीन अलग-अलग हमले हुए हैं। इन तीनों घटनाओं में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। पहली घटना की जानकारी यूकेएमटीओ को सोमवार रात 2119 यूटीसी पर मिली। इसमें बताया गया कि ओमान के लिमाह से करीब आठ समुद्री मील पूर्व में दक्षिण की ओर जा रहे एक टैंकर के बाईं तरफ एक अज्ञात वस्तु टकराई, जिससे उसमें आग लग गई। दूसरी घटना की जानकारी दी गई। इसमें एक टैंकर को किसी अज्ञात वस्तु से नुकसान पहुंचने की बात कही गई और माना जा रहा है कि उसके ढांचे को नुकसान हुआ है। तीसरी और सबसे नई घटना की जानकारी यूकेएमटीओ को 1305 यूटीसी पर मिली। इसमें बताया गया कि एक और टैंकर को ड्रोन से हमला किया गया, जिससे उसे हल्का ढांचागत नुकसान हुआ। यह जहाज

अभी भी अपने अगले बंदरगाह की ओर जा रहा था। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों के अनुसार, तीन में से दो जहाजों की पहचान हो चुकी है। इनमें से एक सऊदी अरब के झंडे वाला कच्चे तेल का टैंकर है, जबकि दूसरा कतर का तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) टैंकर है।

इससे पहले ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने दो ऐसे टैंकरों को निशाना बनाया था, जो अमेरिका समर्थित ओमानी रास्ते से होर्मुज स्ट्रेट पार करने की कोशिश कर रहे थे। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी फार्स ने बताया कि इन जहाजों ने चेतावनी नहीं मानी थी।

फार्स न्यूज एजेंसी ने स्वतंत्र सैन्य पर्यवेक्षक मेन्थोसिंट के 'एक्स' अकाउंट पर साझा की गई सैटेलाइट तस्वीरों का हवाला देते हुए कहा कि समुद्री यातायात की जानकारी से पता चला कि इन दो टैंकरों पर हमले के बाद जापान, भारत और पश्चिमी देशों के कई अन्य जहाजों ने अपना रास्ता बदल लिया और जलडमरूमध्य पार करने के लिए ईरान की ओर से बताए गए रास्ते का इस्तेमाल किया। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया कि कतर का एक एलएनजी टैंकर और सऊदी अरब का एक कच्चे तेल का टैंकर होर्मुज स्ट्रेट के पास आईआरजीसी की ओर से किए गए कथित मिसाइल हमलों में क्षतिग्रस्त हुए। कतर के जहाज की पहचान अल रेकय्यात के रूप में की गई है। रिपोर्टों के अनुसार, हमला होने के बाद इस जहाज ने मदद के लिए आपातकालीन संकेत भेजे।

नेपाल के लिए एशियाई विकास बैंक की 2.4 अरब डॉलर के सहयोग की घोषणा

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के आर्थिक रूपांतरण, रोजगार सृजन और निवेश को बढ़ावा देने के लिए एशियाई विकास बैंक (एडीबी) आगामी 3 वर्षों के भीतर अपना सहयोग बढ़ाकर 2.4 अरब अमेरिकी रुपये करने जा रहा है। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से मुलाकात के दौरान एडीबी के अध्यक्ष मासातो कान्दा ने घोषणा की कि बैंक वर्ष 2029 तक नेपाल को अतिरिक्त 2.4 अरब अमेरिकी डॉलर की सहायता प्रदान करेगा। अध्यक्ष कान्दा ने सोशल मीडिया के माध्यम से यह जानकारी साझा की है। कान्दा ने प्रधानमंत्री को मिले मजबूत जनादेश के लिए उन्हें बधाई दी और आश्वासन दिया कि नेपाल के विकास और आर्थिक सुधार के कार्यक्रमों में बैंक का पूरा सहयोग रहेगा। उन्होंने उल्लेख किया कि नेपाल के आर्थिक रूपांतरण, रोजगार सृजन और निवेश विस्तार के लिए सरकार द्वारा शुरू किए गए महत्वाकांक्षी सुधार कार्यक्रमों को एडीबी प्राथमिकता के साथ सहयोग करेगा। साथ ही, उन्होंने कहा कि एडीबी नेपाल के सबसे बड़े विकास भागीदार के रूप में और अधिक सक्रिय भूमिका निभाएगा। इस सहयोग से सरकार के विकास संबंधी दृष्टिकोण (विजन) को धरातल पर उतारने, आर्थिक विकास, बुनियादी ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) के विकास और जनता के जीवन स्तर में सुधार लाने में मदद मिलने की उम्मीद जताई गई है। अध्यक्ष कान्दा ने नेपाल के साथ एडीबी की 6 दशक लंबी साझेदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने उल्लेख किया कि इस अवधि के दौरान सुरक्षित स्कूलों के निर्माण, स्वच्छ ऊर्जा के विकास, बुनियादी ढांचे के विस्तार और नागरिकों के लिए अवसर पैदा करने जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया गया है। उन्होंने कहा कि वह आने वाले दिनों में भी प्रधानमंत्री और नेपाल सरकार के साथ मिलकर निकटता से काम करने और नेपाली जनता के लिए ठोस, टिकाऊ।

दक्षिण चीन में बाढ़ का कहर: छह की मौत, 11 लापता, लाखों लोग प्रभावित

एजेंसी

बीजिंग। दक्षिण चीन के गुआंग्शी जुआंग स्वायत्त क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण आई बाढ़ में मंगलवार शाम तक छह लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 11 लोग अब भी लापता हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, टाइफून मेसाक की वजह से हुई भारी बारिश से गुआंग्शी में करीब 3.75 लाख लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि 1.30 लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। गुआंग्शी में राहत और बचाव का काम तेजी से जारी है। खोज और बचाव अभियान के लिए 8,000 से ज्यादा कर्मियों, 1,700 से अधिक वाहनों और 5,700 नावों को लगाया गया है। इसके साथ ही खतरनाक जगहों को सुरक्षित बनाने का काम भी चल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार,

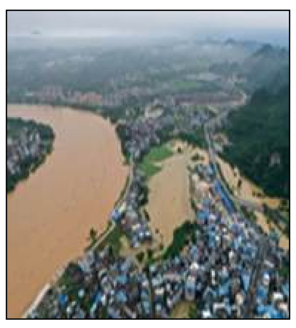

इलाके के कई हिस्सों में अगले तीन दिनों तक भारी बारिश होने की संभावना है। फिलहाल क्षेत्र के 341 जलाशयों में पानी खतरे के निशान से ऊपर है। वहीं, 41 नदियों के 56 निगरानी केंद्रों पर भी पानी का स्तर चेतावनी सीमा से ऊपर दर्ज किया गया है। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि वह लोगों को समय रहते चेतावनी देने, जरूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और बाढ़ के बाद राहत व पुनर्वास के काम को और मजबूत करेगा।

गुआंग्शी जुआंग स्वायत्त क्षेत्र ने सुबह 7 बजे बाढ़ को लेकर सबसे ऊंचे स्तर का रेड अलर्ट जारी किया। इसके कुछ ही समय बाद पड़ोसी ग्वांगडोंग प्रांत ने भी बाढ़ का रेड अलर्ट जारी कर दिया। सुबह 7 बजे तक गुआंग्शी की 55 नदियों के 70 निगरानी केंद्रों पर पानी का स्तर चेतावनी सीमा से 0.01 मीटर से लेकर 7.46 मीटर तक ऊपर बना हुआ था। क्षेत्रीय जल विज्ञान केंद्र ने चेतावनी दी है कि अगले 24 घंटों तक कई नदी क्षेत्रों में पानी का स्तर ऊंचा बना रह सकता है। चीन में आपदा से निपटने के लिए चार स्तर की आपातकालीन व्यवस्था है, जिसमें लेवल-I सबसे गंभीर माना जाता है। चीन के आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने गुआंग्शी जुआंग स्वायत्त क्षेत्र के लिए 36,000 से ज्यादा अतिरिक्त राहत सामग्री भेजी है। इन राहत सामग्रियों में बैग और नावें शामिल हैं। इन्हें राज्य बाढ़ नियंत्रण और सूखा राहत मुख्यालय तथा राष्ट्रीय खाद्य और रणनीतिक भंडार प्रशासन ने मिलकर भेजा है।

नेपाल के दो पूर्व उपप्रधानमंत्री नकली शरणार्थी घोटाला मामले में दोषी करार

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू जिला अदालत ने नकली भूटानी शरणार्थी घोटाले में देश के दो उप प्रधानमंत्री टोप बहादुर रायमाझी और बाल कृष्ण खांड को राज्य के खिलाफ अपराधों का दोषी पाया है। ये दोनों ही नेता उपप्रधानमंत्री के अलावा गृहमंत्री भी रहे। अदालत ने फैसला सुनाया कि आरोपित एक ऐसी योजना में शामिल थे जिसके तहत नेपाली नागरिकों को भूटानी शरणार्थी के रूप में दिखाकर संयुक्त राज्य अमेरिका भेजने का झूठा वादा किया गया था।

पूर्व गृह सचिव टेक नारायण पांडे और सुजाता कोइराला के पूर्व सहयोगी केशव प्रसाद दुलाल को भी राज्य के खिलाफ अपराधों का दोषी ठहराया गया है। राज्य के खिलाफ अपराधों और एकीकृत अपराधों में दोषी पाए गए अन्य लोगों में सानू भंडारी, सागर राय, संदेश शर्मा, इंद्रजीत राय, गोविंद कुमार चौधरी और आंगताबा शेरपा शामिल हैं।

अदालत ने केशव प्रसाद दुलाल, सानू भंडारी, सागर राय, संदेश शर्मा, डॉ. इंद्रजीत राय, गोविंद कुमार चौधरी, आंगताबा शेरपा, टेक नारायण पांडे और टोप बहादुर रायमाझी को संगठित अपराध के आरोप में मुख्य अपराधी के रूप में भी दोषी ठहराया है। नेपाली नागरिकों से करोड़ों रुपये वसूलकर उन्हें फर्जी कागजात के आधार पर भूटानी शरणार्थी बनाते हुए उन्हें अमेरिका में बसाने का धंधा चल रहा था। इस पूरे काम में गृह मंत्री रहे रायमाझी और खांड की देखरेख में सैकड़ों नेपाली नागरिकों को अमेरिका भेजा जा चुका है।

मेलबर्न में पीएम मोदी के स्वागत की तैयारियां तेज: प्रवासी भारतीयों ने किया हवन

एजेंसी

मेलबर्न। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऑस्ट्रेलिया दौरे की तैयारी में भारतीय समुदाय जुटा हुआ है। कार्यक्रम स्थल 'मार्वल स्टेडियम' में बड़ी संख्या में लोगों के जुटने का अनुमान है। वहीं दौरे से पहले प्रवासी भारतीयों ने उनकी दीर्घायु और सफल यात्रा की कामना के लिए हवन का आयोजन किया। आईएएनएस से बात करते हुए उत्साही जनों ने भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों, मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए), शिक्षा, वीजा और व्यापार को लेकर उम्मीदें व्यक्त कीं। 30 साल से ऑस्ट्रेलिया में रह रहे राकेश रायजादा ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी का व्यक्तित्व ऐसा है कि लोग स्वतः उनकी ओर आकर्षित हो जाते हैं। पीएम मोदी 140 करोड़ भारतीयों की बात करते हैं, और उनके नेतृत्व में भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ी है। हमने हवन भी यही सोच कर किया कि भले हम यहां उनके लिए पूजा कर रहे हैं, लेकिन इसका असर पीएम मोदी पर जरूर होगा। वो अच्छे काम कर रहे हैं; वो ऐसा करते रहें और स्वस्थ रहें। उम्मीद है कि प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए), इंडो-पैसिफिक सहयोग, और भारतीय छात्रों और किसानों से जुड़े मुद्दों पर सकारात्मक प्रगति होगी।' 2006 में बतौर टेक्सटाइल टेक्नोलॉजिस्ट मेलबर्न आए संजीव कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री की दीर्घायु के लिए हवन कराया गया।

बलूचिस्तान में मांगी डैम सुरक्षा चौकी पर आतंकी हमला : 9 पुलिसकर्मियों की मौत, जवाबी कार्रवाई में TTP के 15 उग्रवादी ढेर

एजेंसी

क्वेटा/इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत दक्षिण-पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान से एक बार फिर बड़े आतंकी हमले की खबर सामने आई है। जियारत ज़िले में निर्माणाधीन 'मांगी डैम' (Mangi Dam) की सुरक्षा में तैनात पुलिस बल पर अज्ञात बंदूकधारियों ने घात लगाकर आत्मघाती हमला किया। इस बर्बर हमले में दो वरिष्ठ अधिकारियों सहित कम से कम 9 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि कई जवानों के लापता होने की खबर है। जियारत के डिप्टी कमिश्नर अब्दुल कुद्दूस अचकजई ने बीबीसी उर्दू को बताया कि हमलावर आधुनिक हथियारों से लैस थे और उन्होंने अचानक सुरक्षा चौकी को निशाना बनाते हुए अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। क्यों अहम है यह बांध: प्रभावित पुलिसकर्मी अरबों रुपये की लागत से बन रहे मांगी डैम के निर्माण स्थल की सुरक्षा के लिए तैनात थे। यह बांध बलूचिस्तान की प्रांतीय राजधानी क्वेटा में पीने के पानी के गंभीर संकट को दूर करने के उद्देश्य से बनाया जा रहा है।

लापता जवानों के लिए सर्च ऑपरेशन: हमले के बाद से लापता पुलिसकर्मियों की सुरक्षित वापसी के लिए इलाके में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। घटना के

विरोध में स्थानीय लोगों और परिजनों ने राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर उग्र प्रदर्शन भी किया।

हालांकि, अभी तक किसी भी बड़े उग्रवादी संगठन ने इस हमले की आधिकारिक जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने इलाके में तुरंत मोर्चा संभाल लिया है। बलूचिस्तान प्रशासन के दावों के मुताबिक, हमले के तुरंत बाद जियारत और आसपास के पहाड़ी इलाकों में एक बड़ा 'क्लियरेंस ऑपरेशन' चलाया गया। इस जवाबी कार्रवाई के दौरान सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) के 15 उग्रवादियों को मार गिराने का दावा किया है। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने इस कायरतापूर्ण हमले की कड़ी निंदा करते हुए जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों को देश का गौरव बताया।

अफगानिस्तान और ईरान की सीमाओं से सटा बलूचिस्तान प्रांत पिछले लंबे समय से हिंसक उग्रवाद की आग में झुलस रहा है। स्थानीय बनाम सीमा पार का संकट: यहाँ बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (BLA) जैसे स्थानीय अलगाववादी गुट प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण और अधिक स्वायत्तता की मांग को लेकर पाकिस्तानी सेना को निशाना बनाते रहे हैं। हाल ही में मई महीने में भी बीएलए ने एक सैन्य ट्रेन पर हमला किया था जिसमें 20 जवानों की मौत हुई थी। ड्रोन और सीमा विवाद: इसके साथ ही इस क्षेत्र में सीमा पार (अफगान बॉर्डर) से होने वाले हवाई और जमीनी हमले भी बढ़े हैं। पिछले हफ्ते ही पाकिस्तान सेना ने सीमा पर चार संदिग्ध ड्रोन मार गिराने का दावा किया था, जिसके बाद से दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव चरम पर है।

सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण कार्यों की प्रगति की डीसी ने की समीक्षा

कठुआ 08 जुलाई (हि.स.)। उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा ने जिला में सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं के तहत चलाए जा रहे विकास कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा हेतु बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में मुख्य योजना अधिकारी रणजीत ठाकुर, सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर हाइड्रोलिक सर्कल कठुआ, विभिन्न डिवीजनों के कार्यकारी अभियंता, सहायक अभियंता, जूनियर इंजीनियर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान उपायुक्त ने एसएएससीआई, यूटी कैपेक्स तथा सीडीएस सहित विभिन्न योजनाओं के तहत चल रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। साथ ही प्रगति का आकलन करते हुए लंबित व नव स्वीकृत परियोजनाओं की स्थिति पर चर्चा की गई और समय पर कार्य पूर्ण करने में आ रही बाधाओं की पहचान की गई। उपायुक्त ने कुछ परियोजनाओं में कार्य की धीमी गति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने हेतु गति तेज की जाए। उन्होंने सभी विकास कार्यों की नियमित निगरानी पर जोर देते हुए कार्य निष्पादन में दक्षता बढ़ाने और अनावश्यक देरी से बचने को कहा। गुणवत्ता को सर्वोपरि बताते हुए उपायुक्त ने सख्त निर्देश दिए कि सभी कार्य स्वीकृत मानकों और तकनीकी विशिष्टताओं के अनुसार ही किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से फील्ड निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए। उपायुक्त ने स्पष्ट चेतावनी दी कि जो ठेकेदार निर्धारित समयसीमा का पालन नहीं करेंगे या कार्य की गुणवत्ता से समझौता करेंगे उनके विरुद्ध नियमों के अनुसार कड़ी कार्रवाई यहां तक कि ब्लैकलिस्टिंग भी की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को सभी लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने और तय समय सीमा का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने आषाढ़ में 'शिक्षा परिवार' पर की 'समृद्धि की बारिश'

सीएम योगी ने किया 12 लाख शिक्षणकर्मियों के लिए मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ

1.10 करोड़ विद्यार्थियों की यूनिफॉर्म, जूता-मोजा, स्वेटर, स्कूल बैग, स्टेशनरी के लिए 1200 रुपये प्रति विद्यार्थी के हिसाब से अभिभावकों के खाते में 1320 करोड़ रुपये का अंतरण भी किया सीएम योगी ने

10 लाख शिक्षकों व संविदा कर्मियों को सामाजिक सुरक्षा कवच प्रदान करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक के साथ एमओयू

सीएम ने अन्य सरकारी विभागों व निजी क्षेत्र से भी अपने कार्मिकों को सामाजिक सुरक्षा गारंटी देने को कहा

पिछली सरकार पर कसा तंज, कहा- यूपी के एक नेता कहते थे कि नकल हमारा जन्मसिद्ध अधिकार

वाराणसी, 8 जुलाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आषाढ़ मास में बाबा विश्वनाथ की धरा से उत्तर प्रदेश के 'शिक्षा परिवार' पर 'समृद्धि की बारिश' की। उन्होंने शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों, उनके आश्रितों, बच्चों, संविदा कर्मियों आदि को बड़ी सौगात दी। सीएम ने इसके साथ ही शिक्षकों से अपील की कि आप अनुशासित वातावरण बनाकर बच्चों को मेहनत व प्यार से पढ़ाकर गढ़िए। देश का भविष्य अच्छा होगा तो हर नागरिक का भविष्य अच्छा हो जाएगा। स्कूल का वातावरण स्वच्छ, सुंदर, अनुशासित और आध्यात्मिक तेज से परिपूर्ण दिखे। आप बच्चों का ध्यान दें, सरकार आपका ध्यान रखेगी। हर बच्चा स्कूल जाए, यह नागरिकों, शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों का दायित्व है। सीएम ने सरकार के अन्य विभागों व निजी क्षेत्र से भी अपने कार्मिकों को सामाजिक सुरक्षा गारंटी देने को कहा।

सीएम योगी ने बुधवार को 12 लाख शिक्षक/शिक्षणेत्तर कर्मचारियों व उनके आश्रितों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने वाली मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने 1.10 करोड़ विद्यार्थियों की यूनिफॉर्म, जूता-मोजा, स्वेटर, स्कूल बैग, स्टेशनरी के लिए 1200 रुपये प्रति विद्यार्थी के हिसाब से उनके अभिभावकों के खाते में कुल 1320 करोड़ की धनराशि का अंतरण किया। इस अवसर पर 10 लाख शिक्षकों व संविदा कर्मियों को सामाजिक सुरक्षा कवच प्रदान करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक के साथ एमओयू भी किया गया। यह कार्यक्रम प्रदेश भर में 404 स्थानों पर आयोजित किया गया।

सीएम योगी ने बच्चों की दो यूनिफॉर्म, बैग, बुक, स्वेटर, जूता-मोजा आदि के लिए अंतरण की गई राशि का जिक्र कर शिक्षकों से कहा कि आपका दायित्व है कि विद्यालय स्वच्छ व अच्छा लगे। विद्यालय के आंतरिक अनुशासन को बनाए रखने के लिए बच्चे निर्धारित यूनिफॉर्म, जूते-मोजे, सर्दी में स्वेटर आदि पहनकर आएं। कल कुछ जगह छोटे बच्चे यूनिफॉर्म में ही बारिश में नहाते दिखे। बच्चे अबोध हैं, उन्हें सही राह दिखाना शिक्षकों का कर्तव्य और राष्ट्रीय दायित्व भी है। शिक्षक बच्चों को बताएं कि दोनों यूनिफॉर्म 3-3 दिन पहनें। गंदा होने पर इसे धोएं। खेलते समय दूसरे कपड़े पहनें और स्कूल से लौटकर वही जूते-मोजे पहनकर न खेलें। विद्यालयीय व सामान्य कामकाज के बारे में बताएंगे तो यह बच्चों के लिए प्रेरणा होगा, साथ ही स्वच्छ भारत मिशन की सफलता को और ऊंचाई तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। सीएम ने आश्वस्त किया कि नए नामांकन के बाद भी कोई बच्चा इस सुविधा से छूटने नहीं पाएगा।

सीएम ने कहा कि बेसिक व माध्यमिक शिक्षा विभाग ने भारतीय स्टेट बैंक के साथ एमओयू कर हर शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक को सामाजिक सुरक्षा की गारंटी दी है। यूपी पहला राज्य है, जिसने इसे लागू किया। स्थायी शिक्षक और कार्मिकों, जिनका वेतन 10 हजार रुपये से अधिक है, उन्हें 10 लाख रुपये का ग्रुप टर्म इंश्योरेंस कवर, जिसमें एक करोड़ रुपये का पर्सनल एक्सीडेंट कवर, एक करोड़ का स्थायी दिव्यांगता कवर, 1.6 करोड़ का एयर एक्सीडेंट इंश्योरेंस कवर और किसी अनहोनी पर बच्चों की शिक्षा व पुत्रियों के विवाह के लिए एड ऑन कवर प्रदान किया जाएगा।

स्थानीय समाचार

बनी में 35 कनाल सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाया

कठुआ/बनी, 08 जुलाई (हि.स.)। उप मंडल प्रशासन बनी ने सर्थल क्षेत्र में एक बड़े एंटी-एन्क्रोचमेंट अभियान के तहत करीब 35 कनाल सरकारी भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया। यह कार्रवाई एसडीएम बनी संदीप कुमार की निगरानी में तहसील, पुलिस व वन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा की गई।

अभियान के दौरान खसरा नंबर 192 की भूमि पर किए गए अवैध खेती को हटाया गया तथा कब्जा करने वाले व्यक्तियों को बेदखल किया गया। एक अवैध संरचना को ध्वस्त किया गया जबकि दूसरी को सील कर दिया गया। साथ ही भविष्य में अतिक्रमण रोकने के लिए भूमि पर सरकारी बोर्ड भी लगाए गए। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि सरकारी या वन भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लोगों से अपील की गई है कि वे सरकारी संपत्ति की सुरक्षा में सहयोग करें।

इल्तिजा मुफ़्ती ने अमरनाथ गुफा क्षेत्र में बढ़ते निर्माण पर जताई चिंता

जम्मू,, 08 जुलाई (हि.स.)। पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ़्ती ने अमरनाथ यात्रा और पवित्र गुफा क्षेत्र को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड को इस धार्मिक स्थल की संवेदनशील भौगोलिक स्थिति का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि बर्फ से ढके पहाड़ों और ग्लेशियरों के बीच स्थित यह 12वीं शताब्दी से आस्था का केंद्र रहा है। इल्तिजा ने आरोप लगाया कि अनावश्यक निर्माण कार्य, श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती संख्या और प्रस्तावित रोपवे परियोजना इस क्षेत्र के पर्यावरण और प्राकृतिक संतुलन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। उन्होंने कहा कि अमरनाथ यात्रा कश्मीरियत की परंपरा से जुड़ी हुई है और श्रद्धालुओं का हमेशा स्वागत है, लेकिन इस विरासत को सुरक्षित रखने के लिए श्राइन बोर्ड को अधिक संवेदनशील और संतुलित दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

ट्रांजिट कैंप मनिगम में लापरवाही के आरोप में चार शिक्षक तत्काल प्रभाव से निलंबित

गांदरबल, 08 जुलाई (हि.स.)। गांदरबल के मुख्य शिक्षा अधिकारी ने ट्रांजिट कैंप मनिगम में लापरवाही के आरोप में चार शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई नोडल अधिकारी, ट्रांजिट कैंप मनिगम, सहायक आयुक्त राजस्व गांदरबल से प्राप्त पत्र के आधार पर की गई है।

निलंबित शिक्षकों की पहचान बिलाल अहमद शेख पुत्र मोहम्मद हुसैन शेख निवासी हरिपोरा कंगन, आबिद मोहिउद्दीन भट पुत्र गुलाम मोहिउद्दीन भट निवासी मनिगम, पीर मुदासिर पुत्र अब्दुल राशिद शाह निवासी वुस्सान और गौहर राशिद कुल्लू पुत्र अब्दुल राशिद कुल्लू निवासी गुंड के रूप में हुई है।

उपमुख्यमंत्री ने उधमपुर और कटड़ा में विकास कार्यों का निरीक्षण किया, उत्तरी कमान अस्पताल में घायल सैनिक से मिले

कटड़ा, 08 जुलाई। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने आज उधमपुर और कटड़ा का व्यापक दौरा कर विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया तथा प्रमुख आधारभूत संरचना परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

उधमपुर दौरे के दौरान उपमुख्यमंत्री ने उत्तरी कमान अस्पताल पहुंचकर प्रथम जेएकेएलआई के सूबेदार राकेश कुमार का हालचाल जाना, जो वर्तमान में उपचाराधीन हैं।

उन्होंने चिकित्सकों से सैनिक की स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी ली और अस्पताल प्रशासन को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने के लिए हरसंभव प्रयास करने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री ने सूबेदार राकेश कुमार के परिजनों से भी मुलाकात कर उन्हें उपचार के दौरान सरकार की ओर से हरसंभव सहायता और बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने सैनिक के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए चिकित्सा दल की सेवाओं की सराहना की।

इसके बाद उपमुख्यमंत्री ने दिल्ली-अमृतसर-कटड़ा एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य, विशेषकर डोमैल-कटड़ा खंड का निरीक्षण किया और कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता की समीक्षा की। उन्होंने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को निर्धारित समय सीमा में उच्च गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों के साथ पूरा करने पर जोर देते हुए कहा कि इस एक्सप्रेसवे से क्षेत्र में संपर्क व्यवस्था मजबूत होगी, पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और आर्थिक विकास को गति मिलेगी। दौरे के दौरान उपमुख्यमंत्री ने कटड़ा के विभिन्न स्थानों पर जनसंपर्क कार्यक्रम भी आयोजित किए। इस दौरान उन्होंने लोगों की शिकायतें, समस्याएं और मांगें सुनीं तथा आश्वासन दिया कि सभी वास्तविक समस्याओं का समयबद्ध समाधान किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पारदर्शी, जवाबदेह और जनकेंद्रित शासन सुनिश्चित करने के लिए नियमित क्षेत्रीय दौरे और जनता से सीधा संवाद अत्यंत आवश्यक है। इससे विकास कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन और जनसमस्याओं के समयबद्ध समाधान में सहायता मिलती है। इस अवसर पर मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता, विभिन्न इंजीनियरिंग शाखाओं के कार्यकारी अभियंता, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी तथा पूर्व पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

एसएमसी आयुक्त ने हरि पर्वत रेंज में शहरी हरितीकरण कार्यों का निरीक्षण किया

श्रीनगर, 08 जुलाई।श्रीनगर नगर निगम (एसएमसी) के आयुक्त फ़ज़् लुल हसीब ने आज अर्बन फॉरेस्ट्री डिवीजन के अंतर्गत हरि पर्वत रेंज का व्यापक निरीक्षण कर चल रहे वनीकरण, सौंदर्यीकरण और शहरी हरितीकरण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने पौधारोपण की जीवित रहने की दर, हरित क्षेत्रों के रखरखाव, सौंदर्यीकरण कार्यों की प्रगति तथा क्षेत्र की समग्र स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को वैज्ञानिक तरीके से पौधों का प्रबंधन करने, समय पर सिंचाई सुनिश्चित करने, नवरोपित पौधों की सुरक्षा तथा उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने कहा कि शहरी वन वायु गुणवत्ता सुधारने, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने तथा शहर की पर्यावरणीय मजबूती बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने स्वच्छता, लैंडस्केप प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के उच्च मानकों को बनाए रखने तथा सभी कार्यों को गुणवत्ता और दीर्घकालिक स्थायित्व के साथ समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने शहर के हरित बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने तथा वृक्षारोपण अभियान को तेज करने पर भी जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान अर्बन फॉरेस्ट्री डिवीजन के अधिकारियों ने पौधारोपण कार्यक्रमों, रखरखाव, निगरानी व्यवस्था तथा फील्ड स्तर की चुनौतियों की जानकारी दी।

उपायुक्त कुपवाड़ा ने एचएडीपी, जेकेसीआईपी और किसान खिदमत घरों की प्रगति की समीक्षा की

कुपवाड़ा , 08 जुलाई। उपायुक्त कुपवाड़ा श्रीकांत सुसे ने आज जिले में किसान खिदमत घर (केकेजी) के संचालन तथा समग्र कृषि विकास कार्यक्रम (एचएडीपी) और जम्मू-कश्मीर प्रतिस्पर्धात्मक सुधार परियोजना (जेकेसीआईपी) के तहत हुई प्रगति की समीक्षा के लिए बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में उपायुक्त ने किसान खिदमत घर केंद्रों की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) ऑनबोर्डिंग, कृषि उद्यमियों (केयू) के क्षमता निर्माण, सेवाओं की उपलब्धता और राजस्व सृजन पर विशेष ध्यान दिया।

एचएडीपी और जेकेसीआईपी के तहत निर्धारित प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (केपीआई) की भी विस्तृत समीक्षा की गई। इसमें पंजीकृत किसानों द्वारा पाठ्यक्रम पूरा करना, स्वीकृत इकाइयों की स्थापना, ओटीए एप के माध्यम से उनकी निगरानी, जारी धनराशि का उपयोग, केकेजी स्तर-2 के तहत किसान एवं फार्म पंजीकरण, स्तर-3 के तहत ई-केवाईसी, कृषि उद्यमियों की दैनिक रिपोर्टिंग, स्वीकृत मामलों में ऋण वितरण, ऋण आवेदन स्वीकृति, चयनित ब्लॉकों में जेकेसीआईपी कवरेज तथा अनुमोदन शामिल थे।

उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने किसान एवं फार्म पंजीकरण में तेजी लाने, पात्र लाभार्थियों की ई-केवाईसी शीघ्र पूरी करने, दैनिक रिपोर्टिंग में सुधार, ऋण सुविधा मजबूत करने तथा पोर्टल पर वास्तविक समय में सही आंकड़े अपडेट करने पर जोर दिया। उन्होंने कृषि उद्यमियों के प्रदर्शन की प्रतिदिन समीक्षा कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश भी दिए। बैठक में दोनों प्रमुख योजनाओं के तहत चल रहे विभिन्न हस्तक्षेपों की समीक्षा की गई।

कश्मीर संभागायुक्त ने यातायात प्रबंधन पर बहु-विभागीय बैठक की अध्यक्षता की

श्रीनगर, 08 जुलाई। कश्मीर के संभागायुक्त अंशुल गर्ग ने आज श्रीनगर में यातायात प्रबंधन पहलों की समीक्षा तथा शहर में यातायात प्रवाह और शहरी गतिशीलता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से चल रही प्रमुख सड़क अवसंरचना परियोजनाओं की प्रगति का आकलन करने के लिए एक बहु-विभागीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उपायुक्त श्रीनगर, आयुक्त श्रीनगर नगर निगम (एसएमसी), उपाध्यक्ष श्रीनगर विकास प्राधिकरण (एसडीए), क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) कश्मीर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (यातायात) श्रीनगर तथा सड़क एवं भवन (आरएंडबी) विभाग, श्रीनगर स्मार्ट सिटी लिमिटेड (एसएससीएल) और अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान संभागायुक्त ने नटीपोरा क्रॉसिंग-चानकपोरा पुल मार्ग, नटीपोरा टी-जंक्शन, शालटेंग-परिमपोरा फ्लाईओवर, जेवीसी में फुट ओवर ब्रिज, नौगाम और मोमिनाबाद में अंडरपास, बरजुल्ला से सनतनगर तक दूधगंगा किनारे सड़क, ज़ेब्रा क्रॉसिंग एवं स्टॉप लाइन की पेंटिंग, बटमालू में ई-चार्जिंग स्टेशन की स्थापना, बस स्टॉपों का विकास, शहर में यातायात बाधाओं को दूर करने तथा नो-हॉर्निंग ज़ोन की पहचान सहित कई प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा की। आरएंडबी विभाग और एसएससीएल के अधिकारियों ने परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति, अब तक हुई प्रगति तथा उनके निर्धारित समय-सीमा के बारे में जानकारी दी। संभागायुक्त ने विभागों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर देते हुए संबंधित एजेंसियों को सभी परियोजनाओं को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि शहर में यातायात प्रबंधन और यात्रियों की सुविधा में सुधार हो सके।

कश्मीर विश्वविद्यालय के उत्तर परिसर में रैम्प कार्यक्रम का शुभारंभ

बारामुला, 08 जुलाई। कश्मीर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर नीलोफर खान ने आज कश्मीर विश्वविद्यालय के उत्तर परिसर, डेलीना बारामुला में रेज़िंग एंड एक्सेलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस रैम्प पहल के तहत प्रबंधन विकास कार्यक्रम एमडीपी का उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम बारामुला में रैम्प पहल के अंतर्गत शुरू किए गए दो प्रबंधन विकास कार्यक्रमों में से एक है, जिसमें 44 इच्छुक एवं वर्तमान उद्यमी भाग ले रहे हैं। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रोफेसर नीलोफर खान ने जम्मू-कश्मीर उद्यमिता विकास संस्थान जेकेईडीआई के प्रयासों की सराहना की और कहा कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा नवाचार को बढ़ावा देने के लिए उद्यमिता को प्रोत्साहित करना समय की आवश्यकता है।

मुख्य सचिव ने जम्मू-कश्मीर में बहुआयामी रूप से गरीब परिवारों की पहली घरेलू गणना की तैयारियों की समीक्षा की

श्रीनगर, 08 जुलाई। समावेशी शासन को और मजबूत बनाने तथा यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कि सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सबसे जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचे, मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज योजना, विकास एवं निगरानी विभाग (पीडी एंड एमडी) की बैठक की अध्यक्षता कर जम्मू-कश्मीर में बहुआयामी रूप से गरीब परिवारों की पहली घरेलू स्तर की गणना (हाउसहोल्ड एन्यूमरेशन) की प्रस्तावित प्रक्रिया की समीक्षा की।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त, आयुक्त सचिव योजना, विकास एवं निगरानी विभाग, आयुक्त सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, आयुक्त सचिव समाज कल्याण, सचिव ग्रामीण विकास विभाग, योजना विभाग के विभागाध्यक्ष तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। सभी उपायुक्त वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि प्रस्तावित घरेलू गणना जम्मू-कश्मीर के विकास की दिशा में अगला महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य उन वास्तविक परिवारों की पहचान करना है, जो आज भी स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर जैसी कई प्रकार की वंचनाओं का सामना कर रहे हैं। इसके माध्यम से वैज्ञानिक आधार पर और आधुनिक तकनीक से समर्थित एक व्यापक डाटाबेस तैयार किया जाएगा, जिससे सरकारी विभाग अधिक सटीक तरीके से कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचा सकेंगे, विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा और कोई भी पात्र परिवार सरकारी सहायता से वंचित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि यह पहल डेटा आधारित प्रशासन, पारदर्शिता और समावेशी विकास की दिशा में पहला कदम होगी तथा जम्मू-कश्मीर में वंचित क्षेत्रों और परिवारों की पहचान कर उनके विकास के लिए संस्थागत व्यवस्था तैयार करेगी। मुख्य सचिव ने उपायुक्तों को निर्देश दिए कि वे योजना विभाग के साथ समन्वय कर इस कार्य के लिए आवश्यक मानव संसाधन की आवश्यकता का आकलन करें।

14 दिवसीय राष्ट्र सेविका समिति प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

जम्मू, जुलाई 8। आज सायं अम्फला स्थित वेद मन्दिर के स्टेडियम में राष्ट्र सेविका समिति, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख, का 14 दिवसीयप्रशिक्षण शिविर इन्द्र देव के भरपूर आशिर्वाद के साथ सम्पन्न हुआ। समापन समारोह में समिति की लगभग 75 प्रशिक्षित सेविकाओं ने, प्रशिक्षकों ने और आए हुए अतिथियों ने अपने ऊपर मूसलाधार बरसाती बौछारों को दृढ़तापूर्वक झेला।

कोई भी अपने अपने दायित्व के निर्वहन में टस से मस नहीं हुआ, और इस पद्यांश को सजीव किया, सेवा का प्रण ठान लिया है, पीछे नहीं मुड़ेंगे; आँधी और तूफान भी हमको, विचलित नहीं करेंगे।

शिविर के आयोजकों का कहना है कि समिति की कार्यकर्ताओं के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास हेतु समय समय पर शिक्षा वर्गों का आयोजन किया जाता है। 24 जून से आरम्भ हुआ यह

शिविर प्रवेश शिक्षा वर्ग 2026 के अन्तर्गत 14 वर्ष से अधिक आयु की सेविका बहनों के लिए आयोजित हुआ। पूरे प्रशिक्षण के दौरान निर्धारित गणवेष, संस्कार, आत्म-अनुशासन और आत्म सुरक्षा, राष्ट्र सेवा, सहयोग, समरसता, सदाचार और पर्यावरण संरक्षण आदि के प्रति प्रेरित करने पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

समापन समारोह की मुख्य अतिथि ए. डी. सी. जम्मू श्रीमती अनसूया जमवाल थीं। माननीय विधायक श्री विक्रम रंधावा भी सम्मानित अतिथि थे।

मुख्य वक्ता थीं सुश्री सुनीता हलदेकर, अखिल भारतीय सह कार्यवाहिका और समारोह की अध्यक्षता सुप्रसिद्ध डोगरी लेखिका श्री मती कृष्णा प्रेम ने की।